PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-176 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 20 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

‘धैर्य वह शक्ति है, जो कच्चे अनुभवों को परिपक्वता में और सही समय की प्रतीक्षा को सफलता में बदल देती है।‘

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

बुजुर्गों की देखभाल: संवेदना के साथ आर्थिक तैयारी भी जरूरी

बुजुर्गों की देखभाल केवल सेवा, स्नेह और जिम्मेदारी का विषय नहीं है, बल्कि यह परिवार की आर्थिक समझ, मानसिक मजबूती और समय पर लिए गए निर्णयों की भी परीक्षा है। हमारे समाज में माता-पिता की सेवा को संस्कार माना जाता है, लेकिन बदलते समय में यह जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक जटिल हो गई है। बीमारी, अस्पताल, दवाइयां, देखभाल करने वाले व्यक्ति की उपलब्धता, बैंक खाते, पेंशन, बीमा, संपत्ति के कागज और नॉमिनेशन जैसे विषय अचानक परिवार के सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़े हो जाते हैं। आज बड़ी संख्या में परिवार ऐसे हैं, जहां बच्चे नौकरी, व्यवसाय या पढ़ाई के कारण अलग-अलग शहरों और देशों में रहते हैं। ऐसे में बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी अक्सर किसी एक सदस्य, खासकर बेटियों, बहुओं या घर में मौजूद परिजन पर अधिक आ जाती है। यह जिम्मेदारी केवल शारीरिक सेवा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भावनात्मक दबाव और आर्थिक निर्णयों का बोझ भी साथ लेकर आती है। कई बार देखभाल करने वाला व्यक्ति खुद थकान, तनाव और अपराधबोध से गुजरता है, लेकिन उसकी मेहनत को परिवार और समाज उतना महत्व नहीं देते, जितना मिलना चाहिए।

बुजुर्गों की देखभाल का सबसे कठिन पक्ष यह है कि जीवन के अंतिम पड़ाव में वही माता-पिता, जिन्होंने बच्चों को चलना, खाना और जीवन जीना सिखाया, एक दिन उन्हीं बच्चों पर निर्भर हो जाते हैं। उन्हें नहलाना, दवा देना, अस्पताल ले जाना या निजी जरूरतों में मदद करना केवल काम नहीं, बल्कि भावनाओं की गहरी परीक्षा होती है। इसमें बुजुर्गों की गरिमा और आत्मसम्मान को बनाए रखना सबसे जरूरी है। सेवा करते समय संवेदनशीलता, धैर्य और सम्मान का भाव परिवार की सबसे बड़ी पूंजी बन जाता है। लेकिन केवल भावना से काम नहीं चलता। बुजुर्गों की आर्थिक सुरक्षा को लेकर समय रहते तैयारी करना भी उतना ही जरूरी है। परिवारों को चाहिए कि माता-पिता के बैंक खाते, पेंशन, बीमा, मेडिकल दस्तावेज, संपत्ति के कागज, नॉमिनेशन, पासवर्ड और आपातकालीन संपर्कों की जानकारी व्यवस्थित रूप से सुरक्षित रखें। यह काम संदेह या स्वार्थ के भाव से नहीं, बल्कि पारदर्शिता और सुरक्षा की दृष्टि से होना चाहिए। कई बार अचानक बीमारी या मृत्यु के बाद परिवार कागजों और खातों की जानकारी के अभाव में अनावश्यक विवाद और परेशानी में फंस जाता है। भारतीय परिवारों में आर्थिक विषयों पर खुलकर बात करना आज भी सहज नहीं माना जाता। बुजुर्ग अक्सर अपनी बचत, संपत्ति या पासवर्ड बताने में संकोच करते हैं और बच्चे पूछने में झिझकते हैं। लेकिन यही झिझक भविष्य में बड़ी समस्या बन सकती है। इसलिए परिवारों में संवाद की संस्कृति विकसित करनी होगी।माता-पिता से सम्मानपूर्वक यह पूछा जाना चाहिए कि आपात स्थिति में कौन-से दस्तावेज कहां मिलेंगे, इलाज से जुड़े निर्णय कौन लेगा और आर्थिक मामलों में उनकी इच्छा क्या है। सरकार और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ, सस्ती और संवेदनशील होनी चाहिए। घर पर देखभाल, जेरियाट्रिक हेल्थकेयर, काउंसलिंग और केयरगिवर्स के लिए सहायता व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत है। परिवार के भीतर जो सदस्य बुजुर्गों की देखभाल कर रहे हैं, उन्हें भी मानसिक और सामाजिक सहयोग मिलना चाहिए। उनकी थकान को कमजोरी नहीं, बल्कि लगातार निभाई जा रही जिम्मेदारी का परिणाम समझना चाहिए।

आज की ‘सैंडविच जनरेशन’ दोहरी जिम्मेदारी निभा रही है। एक ओर उम्रदराज माता-पिता हैं, दूसरी ओर बच्चों का भविष्य और अपना करियर। ऐसे में बुजुर्गों की देखभाल को केवल पारिवारिक कर्तव्य मानकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए भावनात्मक तैयारी, आर्थिक योजना और कानूनी स्पष्टता–तीनों की जरूरत है। समय रहते बुजुर्गों की सेहत, सम्मान और धन-संपत्ति से जुड़े विषयों पर बातचीत करना असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि जिम्मेदार प्रेम है। परिवार यदि पहले से तैयार रहें, तो बीमारी या संकट के समय घबराहट कम होती है और निर्णय अधिक मानवीय व संतुलित ढंग से लिए जा सकते हैं। बुजुर्गों की सेवा का सही अर्थ यही है कि उनके अंतिम वर्षों को सुरक्षा, सम्मान और अपनापन दिया जाए।

राजस्थान क्रिटिकल मिनरल का बड़ा भंडार: केंद्रीय खान मंत्री

सीएम ने कहा- केंद्र जीएसआई के चिन्हित साइट्स की जानकारी साझा करें

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जयपुर में केंद्रीय खान और कोयला मंत्री जी.किशन रेड्डी ने कहा- राजस्थान में क्रिटिकल मिनरल का बड़ा भंडार उपलब्ध है। रक्षा, ऊर्जा, कृषि, सोलर, ऑटोमोबाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में क्रिटिकल मिनरल्स की बढ़ती मांग को पूरा करने का सामर्थ्य राजस्थान में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खनन क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है। केंद्र सरकार की नीतियों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में खोज, नीलामी और उत्पादन प्रक्रियाओं में तेजी आई है। वे मुख्यमंत्री निवास पर सीएम भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में खान और कोयला विभाग की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

एन्वायरमेंट क्लीयरेंस को प्राथमिकता दें

सीएम भजनलाल ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे एन्वायरमेंट क्लीयरेंस से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दें। वहीं जिन खनिज ब्लॉक्स की नीलामी हो चुकी है। वहां जल्द ही उत्पादन कार्य शुरू करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा- खनन गतिविधियों के लिए खान विभाग के अधिकारी नियमित बैठक कर कार्य योजना बनाएं। इससे खनन कार्य में भविष्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी और कार्यों की पुनरावृत्ति से बचा जा सकेगा।

मुख्यमंत्री बोले- केंद्र जीएसआई के चिन्हित साइट्स की जानकारी साझा करें

बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा राज्य में चिन्हित और खोजी गई साइट्स की जानकारी राज्य सरकार के साथ साझा की जाए। इससे संरक्षण की दृष्टि से उपयुक्त भूमि का किसी अन्य प्रयोजन के लिए आवंटन नहीं हो। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनिज संपदा की दृष्टि से देश में अग्रणी राज्यों में शामिल है और प्रदेश में खनन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राज्य में 82 प्रकार के खनिज उपलब्ध हैं और 57 खनिजों का दोहन किया जा रहा है। हमारी सरकार खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, नीतिगत सुधार और बुनियादी ढांचे में विकास को प्राथमिकता दे रही है।

मोदी सरकार ने महंगाई को काफी हद तक कंट्रोल किया- कैलाश चौधरी

युवा सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश सोनी की अगुवाई में सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी और महंगाई को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। झुंझुनूं दौरे पर पहुंचे चौधरी ने कहा कि तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय होती हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन कीमतों को काफी हद तक नियंत्रित किया हुआ है। ताकि देश की जनता पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़े। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महंगाई पर लगातार नजर बनाए हुए है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रहित में ईंधन की बचत करने का आह्वान किया। भाजपा किसान मोर्चा की बैठक में हिस्सा लेने झुंझुनूं पहुंचे कैलाश चौधरी का हवाई पट्टी के पास युवा सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश सोनी के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और कैलाश चौधरी के समर्थक मौजूद रहे। चौधरी के स्वागत में फूलों की बारिश की गई और जमकर नारेबाजी हुई। कार्यकर्ताओं ने उन्हें हल भेंट कर सम्मानित भी किया। इस मौके पर चौधरी ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद वे पूरे राजस्थान का दौरा कर रहे हैं और हर जिले में जाकर

किसानों से सीधे संवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार किसानों को उन्नत और विकसित बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। किसानों की छोटी से छोटी समस्या का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है और इसी उद्देश्य से सरकार योजनाओं को जमीन तक पहुंचा रही है। कार्यक्रम में राज्य ओबीसी आयोग के सदस्य पवन मावंडिया, भाजपा नेता विनोद पूनियां, प्रसिद्ध ज्वैलरी व्यवसायी विजय सोनी चिड़ावा, विकास भालोठिया, विकास पायल सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहें।

डालमिया विद्या मंदिर में समर कैंप का शुभारंभ, 224 विद्यार्थी ले रहे हैं प्रशिक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

डालमिया विद्या मंदिर में स्पोर्ट्स, आर्ट, म्यूजिक और डांस समर कैंप का विधिवत् शुभारंभ हुआ। इस कैंप में विद्यालय के 224 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। 45 दिवसीय स्पोर्ट्स कैंप 18 मई से 2 जुलाई तक चलेगा, जबकि आर्ट, म्यूजिक और डांस कैंप 20 दिवसीय रहेगा।

उद्घाटन अवसर पर प्रधानाचार्य शक्ति सिंह, प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप कुल्हार एवं प्रधानाध्यापिका नमिता चौधरी उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य शक्ति सिंह ने कहा कि खेल सर्वांगीण विकास, अनुशासन और टीम भावना के लिए महत्वपूर्ण हैं। वहीं, कला व संगीत से विद्यार्थी अपनी स्किल निखारकर भविष्य बना सकते हैं। कैंप में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। क्रिकेट में मुंबई के कोच अजय वर्मा से 52 छात्र, फुटबॉल में केरल के कोच सोहिल व अमित कुमार से 53 छात्र, बैडमिंटन में अनिल कुल्हार व विवेक डांगी से 38 छात्र और हॉकी में राजेश कुमार के मार्गदर्शन में 16 छात्र अभ्यास कर रहे हैं। फिटनेस ट्रेनिंग केरल के मुबाशिर व जिम ट्रेनर अमित सैनी दे रहे हैं। इसके अलावा, नृत्य में महाराष्ट्र की भारती से 31, आर्ट में जयपुर के गोपाल लाल से 21 और संगीत में पिलानी के विकास से 17 विद्यार्थी विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान विद्यालय के कला व संगीत शिक्षक जयदीप दईया, मुकेश भट्ट और विनीता चौधरी भी विशेष सहयोग दे रहे हैं।

लोहिया स्कूल की दो छात्राओं को मिली स्कूटी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

लोहिया स्कूल की छात्रा पायल सैनी पुत्री संजय सैनी को 12वीं बोर्ड परीक्षा कला में अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर तथा कॉमर्स में आयुषी पुत्री सुभाष को 12वीं बोर्ड परीक्षा में अपने वर्ग में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सरकार द्वारा पद्माक्षी अवार्ड के तहत स्कूटी प्रदान कर सम्मानित किया गया। दोनों विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल देखने को मिला। विद्यालय प्रशासन द्वारा अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को स्कूल प्रांगण में आमंत्रित कर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान दोनों प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया गया। छात्रा पायल सैनी और आयुषी ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय परिवार और अपने अभिभावकों को दिया।

विद्यालय चेयरमैन राम सिंह नेहरा ने बताया कि स्कूल का परिणाम हर वर्ष उत्कृष्ट रहता है तथा यहां के विद्यार्थी समय-समय पर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर पद्माक्षी अवॉर्ड से सम्मानित होते रहे हैं।विद्यार्थियों की इस सफलता से अभिभावकों, शिक्षकों एवं क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह और गर्व का माहौल है। इस अवसर पर निदेशक जगपाल सिंह यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, संस्था सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, प्रधानाचार्य प्रमिला झाझड़िया, प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे, गुलजार खान, पूरणमल गजराज सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहें।

डायरेक्टर रूलानिया ने हरी झंडी दिखाकर हाईक को किया रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान राज्य भारत स्काउट जिला मुख्यालय सीकर के तत्वाधान में पलसाना के सरस्वती विद्यापीठ शिक्षण संस्थान में 10 मई से प्रारंभ हुए और 20 मई तक चलने वाले गाइड कैप्टिन यूनिट लीडर बेसिक कोर्स के दौरान सरस्वती शिक्षण संस्थान के डायरेक्टर रिछपाल सिंह रूलानिया ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

शिविर संचालिका शांति स्वामी व शिविर संचालक रामोतार शर्मा ने बताया की चल रहे प्रशिक्षण के छटवे दिन शांकभरी के लिए हाईक रवाना हुई। डायरेक्टर रिछपाल सिंह रूलानिया ने इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों को साधुवाद देते हुए कहा की शिविर में महिलाओं के द्वारा बहुत ही शानदार प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है, शिविर कला से रूबरू होकर प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को सीखे गए हुनर को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। प्रशिक्षणार्थियों के बीच अपने अनुभव भी साझा किए। हाइक के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस दौरान शिविर संचालिका शांति स्वामी, शिविर संचालक रामोतार शर्मा, जगदीश प्रसाद शर्मा, पवन कुमार शर्मा, डॉ मंजू यादव, कविता शर्मा, राघव शर्मा कल्पना, शीतल, राजेंद्र प्रसाद सैनी सहित अनेक प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

गोठड़ा में पानी संकट पर महिलाओं का फूटा गुस्सा, हाईवे पर किया प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

कस्बे के गोठड़ा में पेयजल संकट को लेकर वार्ड नंबर 1 और 2 की महिलाओं का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष नेशनल हाईवे पर पहुंच गए और जलदाय विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों व महिलाओं ने आरोप लगाया कि पिछले दो महीनों से दोनों वार्डों में पानी की भारी किल्लत बनी हुई है और लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। क्षेत्र में कुंभाराम नहर का पानी आने के बावजूद पिछले 2 महीने से पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही है। भीषण गर्मी के बीच पानी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने जलदाय विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद

समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है सूचना मिलने पर खेतड़ी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाइश की। वार्डवासियों ने प्रशासन और जलदाय विभाग को तीन दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि तय समय में पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो नेशनल हाईवे को जाम कर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

ग्रामीणों ने बताया कि दोनों वार्डों में अनुसूचित जाति एवं मजदूर वर्ग के लोग निवास करते हैं, जो पहले से ही आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में पानी की समस्या ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उनका कहना था की मजदूरी पर जाएं या फिर पानी का जुगाड़ करें पानी के टैंकर गिरवाने की हमारी हिम्मत नहीं है जबकि जलदाय विभाग कोरे आश्वासन देता है अब तो हालत यह बन गई की यहां से लोग घर छोड़कर जाने को मजबूर हो रहे हैं विरोध प्रदर्शन करने वालों में मंजू देवी शिल्पी कृष्णा देवी जवानी देवी तेजपाल मेघवाल मनोज वाल्मीकि सुलोचना आंची बबीता विद्या संतोष ममता भगोती कृष्णा रेणु सुमित्रा अर्चना रेशमी कल्पना नीता बिमला सुनीता सुशीला शांति देवी पूनम सुमन शारदा सुगनी कमला लीला देवी संतरा सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

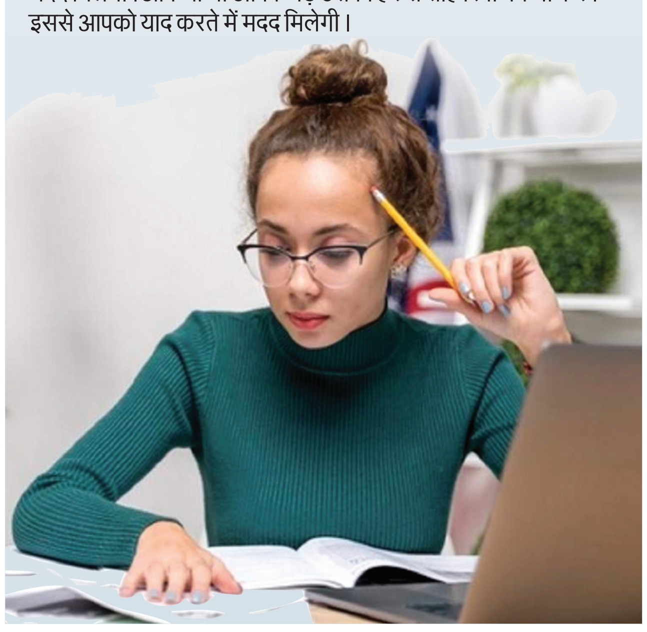

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहति है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

बाजीसर में युवाओं ने पक्षियों के लिए लगाए परिंडे, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । क्षेत्र के निकटवर्ती गांव बाजीसर में सीगड़ा रोड पर रविवार को पक्षी प्रेमियों एवं युवाओं द्वारा पक्षियों के लिए दस परिंडे लगाए गए। भीषण गर्मी को देखते हुए युवाओं ने पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था कर सामाजिक सरोकार का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने लोगों से भी अपने घरों एवं सार्वजनिक स्थानों पर परिंडे लगाने की अपील की। इस अवसर पर समाजसेवी अमित मीणा ने बताया कि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी की भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे में युवा टीम लगातार गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है तथा प्रत्येक व्यक्ति को पक्षियों की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में बनवारीलाल निर्मल (वरिष्ठ अध्यापक), नरेंद्र कुमार, बाबूलाल निर्मल, विक्की निर्मल, मनदीप निर्मल, अभिषेक नायक, रोहित नायक, शक्ति नायक, विक्रम नायक, अरुण नायक एवं हर्षित बुडानिया सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। युवाओं ने नियमित रूप से परिंडों में पानी भरने का संकल्प भी लिया।

थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई: चोरी के मामले में आदतन आरोपी काबू, न्यायिक हिरासत में भेजा

आरोपी के खिलाफ पहले से 10 आपराधिक मामले दर्ज, चोरीशुदा सामान बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए भिवानी के गांव राजपुरा खरकड़ी निवासी विकास पुत्र कृष्ण को काबू किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा सामान भी बरामद कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि टोहाना के किला मोहल्ला वार्ड नंबर 8 निवासी हरीश कुमार पुत्र यशपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका स्टूडियो चंडीगढ़ रोड स्थित हिसार कैंची के पास आरएमसी के सामने अनंतम लैब के ऊपर है। 12 मई 2026 की रात अज्ञात व्यक्ति उसके स्टूडियो का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और वहां से करीब दो तोले सोना, चार तोले चांदी तथा 30 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए।आरोपियों ने स्टूडियो के अंदर रखा सामान भी अस्त-व्यस्त कर दिया। शिकायत के आधार पर थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 139 दिनांक 12.05.2026 धारा 305, 331(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले के अनुसंधान के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू कर लिया तथा उसके कब्जे से चोरीशुदा सामान भी बरामद कर लिया तथा मामले की आगामी जांच जारी है।

सीजेएम नीलम कुमारी ने किया वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जाएगा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने मंगलवार को वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।सीजेएम नीलम कुमारी ने निरीक्षण के दौरान केंद्र के विभिन्न कक्षों, रिकॉर्ड रजिस्टर, पीड़ित महिलाओं के ठहरने की व्यवस्था और उनके लिए उपलब्ध भोजन, चिकित्सा व काउंसिलिंग जैसी मूलभूत सुविधाओं की गहनता से जांच की। उन्होंने वहां उपस्थित स्टाफ और केंद्र प्रशासक वंदना यादव से बातचीत कर वर्तमान मामलों और उनके समाधान की स्थिति की जानकारी ली।उन्होंने निर्देश दिए कि पीड़ित महिलाओं को बिना किसी देरी के तुरंत चिकित्सा, मानसिक काउंसिलिंग और कानूनी मदद (लीगल ऐड) मुहैया कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से महिलाओं को हर प्रकार की कानूनी सहायता पूरी तरह से निशुल्क प्रदान की जाती है। यदि किसी भी पीड़ित महिला को वकील की आवश्यकता हो, तो तुरंत डीएलएसए कार्यालय से संपर्क कर पैनल एडवोकेट नियुक्त करवाया जाए। वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और संकट की स्थिति में उन्हें एक ही छत के नीचे आश्रय, पुलिस सहायता, कानूनी सलाह और चिकित्सा जैसी सभी जरूरी सेवाएं देने का एक बेहद महत्वपूर्ण माध्यम है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन व शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

राष्ट्रीय मंत्री भूत व जिला चैयरमेन चिरानिया के नेतृत्व में आधा दर्जन पदाधिकारी हुए शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अग्रवाल समाज का सोमवार का आयोजित हुएराष्ट्रीय अधिवेशन व शपथ ग्रहण समारोह में देश भर के समाज बंधुओं ने शिरकत की। वहीं समाज के राष्ट्रीय मंत्री व जिला चैयरमेन के नेतृत्व में सीकर जिले के आधा दर्जन पदाधिकारी हुए। यह जानकारी देते हुए अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन युवा प्रकोष्ठ के प्रांतीय महामंत्री संदीप बजाज ने बताया कि दिल्ली के जनपथ मार्ग स्थित फाइव स्टार होटल ली मेरिडियन में सोमवार को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन व राष्ट्रीय पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह स्वामी बालमुकुंद गिरी महाराज के सानिध्य एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। उन्होंने बताया कि समाज के आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन व शपथ ग्रहण समारोह में सम्मेलन के राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत, जिला चैयरमेन अमित चिरानिया, जिलाध्यक्ष अनिल तोदी, युवा प्रदेश महामंत्री संदीप बजाज, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत चुडीवाला आदि ने दिल्ली पहुंच कर समारोह में शिरकत की तथा राष्ट्रीय पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन की मजबूरी एकजुटता के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहने का विश्वास दिलाया तथा सम्मेलन की योजना व गतिविधियों को सीकर जिले में अग्रवाल समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक संदेश पहुंचाने का विश्वास दिलाया।

गौसेवा कर मनाई ठाकुर प्रताप सिंह सिंहासन की पुण्यतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । सिंघासन हवेली के संस्थापक स्वर्गीय ठाकुर प्रताप सिंह सिंहासन की 8वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गौसेवा करते हुए गोवंश को हरा चारा, तरबूज एवं गुड़ खिलाया गया तथा दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय ठाकुर प्रताप सिंह के समाजसेवा एवं जनहित कार्यों को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपरा है और पुण्यतिथि पर इस प्रकार के सेवा कार्य समाज को सकारात्मक संदेश देते हैं। इस दौरान उनके प्रतिनिधि के रूप में संदीप शर्मा, हीरालाल एवं सोयल मौजूद रहे। सभी ने पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों पर सदैव कृपा एवं आशीर्वाद बनाए रखने की कामना की।

प्रधानमंत्री मोदी की अपील से प्रेरित होकर पूर्व जिलाध्यक्ष ने बस से किया सफर, दिया सादगी और ईंधन बचत का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा गुढ़ागौड़जी।

वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में देश को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई ईंधन बचत, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग एवं सादगीपूर्ण जीवन अपनाने की अपील को आत्मसात करते हुए भाजपा झुंझुनूं के पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष शर्मा ने एक प्रेरणादायी पहल प्रस्तुत की। श्री शर्मा ने आज अपने निजी वाहन का उपयोग न करते हुए साधारण बस से चिड़ावा से गुढ़ागौड़जी तक यात्रा कर आमजन के समक्ष सादगी और राष्ट्रहित का संदेश दिया। वे गुढ़ागौड़जी स्थित 'श्री पैलेस मैरिज गार्डन' में मंगलवार प्रातः 9 बजे से प्रारंभ हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के दो दिवसीय आवासीय जिला वर्ग प्रशिक्षण शिविर 'सक्षम कार्यकर्ता - सशक्त संगठन' में पूर्व जिलाध्यक्ष के रूप में सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण शिविर में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर में भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चौधरी, जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी, खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर तथा पूर्व सांसद नरेन्द्र खीचड़ सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुभाष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री की राष्ट्रहित में की गई अपील केवल शब्द नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणा है। यदि हम सभी ईंधन की बचत, संसाधनों के संयमित उपयोग एवं सादगीपूर्ण जीवन शैली को अपनाएं, तो यह देश की आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे व्यक्तिगत प्रयास भी राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

पानी बिजली सहित आम जन की प्रमुख समस्या के समाधान की जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

शहर की बिजली पानी सहित आमजन की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर भाजपा के जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ताओं एक के प्रतिनिधि मंडल ने उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीणा, नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी नवनीत कुमावत से मुलाकात कर भीषण गर्मी में आमजन को पानी बिजली सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए तत्काल राहत प्रदान करने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में पूर्व चेयरमैन हरिप्रसाद पुजारी, महावीर सैनी, निवर्तमान पार्षद, विष्णु शर्मा, पवन बाल्मीकि,सज्जन सैनी, विनोद गढ़वाल, रामावतार चावला, राधेश्याम बारी, पूर्व पार्षद गोपाल लाटा, हर्षनाथ नाहरिया, छोटूराम बागोरिया, सामाजिक कार्यकर्ता पवन गोयनका,द्वारका प्रसाद जांगिड़, पवन कुमार,कमल व्यास,भाजपा नेता सतीश शर्मा, शंशाक जोशी, सर्वोत्तम वैध, संदीप शर्मा, रवि पुजारी,शंकर सैनी,अजय जांगिड़, श्रवण कुमार सैनी,सुमित कुमार,आदि मौजूद थे।

श्री ऋषिकुल बी.एड. कॉलेज का सात दिवसीय शिविर का हुआ शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़

श्री ऋषिकुल बी.एड. कॉलेज में सोमवार को सात दिवसीय एसयूपीडब्ल्यू एवं सामुदायिक सेवा शिविर का महाविद्यालय प्राचार्य डॉ रेखा शर्मा के निर्देशन से शुभारंभ हुआ। शिविर के प्रथम दिन छात्र-अध्यापकों द्वारा सामाजिक सरोकार और सामुदायिक सेवा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने सोमवार को क्षेत्र के सिगोदड़ी, आतरौली और दिसनाऊ गाँवों का दौरा किया। इस दौरान छात्र-अध्यापकों ने टोलियाँ बनाकर ग्रामीणों को राज्य व केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही ग्रामीणों को इन योजनाओं का लाभ उठाने की सरल प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना की जानकारी दी तथा पर्यावरण संरक्षण और जीव दया का संदेश देते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए पेड़ों पर परिंडे लगाए गए। एवं ग्रामीणों से भी अपील की गई कि वे भीषण गर्मी के इस मौसम में इन परिंडों में नियमित रूप से पानी भरना सुनिश्चित करें। संस्थान की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया कि कैंप को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए छात्र-अध्यापकों को तीन प्रमुख समूहों में विभाजित किया गया है, जो आगामी दिनों में विभिन्न रचनात्मक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों एवं छात्राओं को प्रोत्साहित करेंगे। समूह में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ग्रुप जिसका संचालन और नेतृत्व सहायक आचार्य डॉ. डिंपल जोशी द्वारा किया जाएगा जबकि जयशंकर प्रसाद ग्रुप, इस ग्रुप का संचालन सहायक आचार्य मंजू तिवारी द्वारा संभाला गया। इसी तरह महादेवी वर्मा ग्रुप का संचालन कॉलेज के पीटीआई बनवारी लाल संभालेंगे।कैंप के आगामी दिनों में छात्र- अध्यापिकाओं द्वारा विभिन्न सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, स्वच्छता अभियान और कौशल विकास के माध्यम से ग्रामीण समाज को जागरूक और प्रोत्साहित करने के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन सत्र के दौरान कॉलेज सहायक आचार्य डॉ मीना रोहिल, मधु मिश्रा एवं अन्य शैक्षणिक स्टाफ व ग्रामीण मौजूद थे।

गलत दिशा से आई तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को रौंदा, दो युवक गंभीर घायल

नांगल सुमेरसिंह के पास हुआ भीषण हादसा, चालक कार छोड़कर फरार, एक घायल जयपुर रैफर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

थाना क्षेत्र के नांगल सुमेरसिंह गांव के पास विगत रविवार देर शाम तेज रफ्तार और लापरवाही से दौड़ रही एक कार ने स्कूटी को सामने से ऐसी टक्कर मारी कि स्कूटी सवार दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसा इतना भीषण था कि एक युवक के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि दूसरे युवक के हाथ-पैर में फ्रैक्चर हो गया। दोनों घायलों को पहले मंडावर के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए एक युवक को दौसा और दूसरे को जयपुर रैफर कर दिया गया। जहाँ फिलदाल दोनो का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद आरोपी चालक कार मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।नांगल सुमेरसिंह निवासी पदमचंद सैन ने मंडावर थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 11 मई 2026 की रात करीब साढ़े आठ बजे उसका बेटा हरिओम सैन और भाई महेशचंद सैन का बेटा नरेन्द्र सैन स्कूटी से मंडावर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गांव से कुछ दूरी पर नीमड़ी के पास सामने से गलत दिशा में आ रही कार नंबर आरजे 02 सीजी 5457 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए स्कूटी को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और सरकारी एम्बुलेंस मौके पर पहुंची तथा दोनों घायलों को मंडावर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद नरेन्द्र को जिला अस्पताल दौसा और हरिओम को गंभीर सिर की चोट के चलते जयपुर रैफर कर दिया। पदमचंद सैन ने रिपोर्ट में बताया कि दोनों घायलों के उपचार में व्यस्त रहने के कारण पुलिस को सूचना देने में देरी हुई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार व स्कूटी को जब्त कर लिया है तथा मामले की जांच एएसआई मगनसिंह को सौंपी गई है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में तेज रफ्तार और गलत दिशा में वाहन चलाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सीएम विंडो को लेकर की समीक्षा बैठक

डीसी अनुपमा अंजली ने दी जिला की प्रगति रिपोर्ट

सीएम विंडो आमजन के लिए बेहद कारगर : डीसी अनुपमा अंजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज सीएम विंडो पोर्टल पर विभिन्न विभागों के कार्य प्रदर्शन और जनता की शिकायतों के निवारण को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक की। जिला महेंद्रगढ़ की तरफ से उपायुक्त अनुपमा अंजली ने जिले की प्रगति रिपोर्ट मुख्यमंत्री के सामने रखी। इस दौरान उनके साथ पुलिस अधीक्षक दीपक भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों की एक बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों से सभी को अवगत कराया और स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर ढिलाई या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि सीएम विंडो सरकार का एक बेहद पारदर्शी माध्यम है, जिसने जनता की समस्याओं को सीधे सरकार तक पहुंचाने का काम किया है। ऐसे में इस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों को अधिकारी अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल करें। उपायुक्त ने कहा कि न केवल सीएम विंडो, बल्कि सरकार द्वारा जनता की सुविधा के लिए जितने भी डिजिटल शिकायत निवारण प्लेटफार्म तैयार किए गए हैं, उन सभी पर आने वाली शिकायतों को लेकर विशेष गंभीरता बरती जाए। डीसी ने कहा कि सीएम विंडो पोर्टल आम जनता के लिए बेहद कारगर है क्योंकि इसके जरिए कोई भी नागरिक अपनी शिकायत सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा सकता है। डिजिटल और पारदर्शी व्यवस्था होने के कारण शिकायतकर्ता घर बैठे अपनी शिकायत को ट्रैक कर सकते हैं, जिससे दफ्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ती और तय समय-सीमा में जवाबदेही तय होने से लोगों को त्वरित न्याय मिलता है। उन्होंने निर्देश दिए कि हर शिकायत का समाधान तय समय सीमा के भीतर होना चाहिए और अधिकारी शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता दें। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी भी विभाग ने जन-शिकायतों के निपटारे में लापरवाही बरती तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस मौके पर एडीसी तरुण कुमार पावरिया, एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव, एसडीएम महेंद्रगढ़ योगेश सैनी, सीईओ जिला परिषद निर्मल नागर, एसडीएम कनीना डॉ जितेंद्र सिंह, एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह तथा डीएमसी रणवीर सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजा भक्तिरस, नृसिंह अवतार प्रसंग ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। श्री भाटिया बिरादरी प्रबंध समिति, आदर्श नगर, जयपुर द्वारा आयोजित 108 श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं ने भगवान के गुणगान का रसपान किया। व्यास पीठ से श्री गोकुल धाम के आचार्य सुरेश जी शास्त्री ने भरत चरित्र, अजामिल उपाख्यान, चतु:श्लोकी भागवत एवं भगवान नृसिंह अवतार की कथाओं का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान आचार्य सुरेश जी शास्त्री ने भरत चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि राजा भरत ने राजपाट त्यागकर भगवान की भक्ति का मार्ग अपनाया, लेकिन हिरण के प्रति मोह होने के कारण उन्हें पुनर्जन्म लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि साधना के मार्ग में किसी भी प्रकार की आसक्ति मनुष्य को भगवान से दूर कर सकती है।

अजय चौहान बने मेघ सेना के राजस्थान प्रदेश सचिव व सोशल मीडिया संयोजक

भीम प्रज्ञा न्यूज.जालोर।

मेघ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. डी.के. मेघवाल द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार अजय चौहान पुत्र नेमाराम, निवासी सरदारगढ़, पोस्ट सामतीपुरा, तहसील व जिला जालोर को मेघ सेना राजस्थान प्रदेश इकाई में राजस्थान प्रदेश सचिव एवं सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया है। संगठन ने अजय चौहान के समाज के प्रति सेवाभाव, सक्रियता और लगन को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के बाद अजय चौहान ने मेघ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. डी.के. मेघवाल सहित संगठन के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाते हुए समाजहित में कार्य किया जाएगा। अजय चौहान के राजस्थान प्रदेश सचिव व सोशल मीडिया संयोजक बनने पर जालोर जिले सहित राजस्थान प्रदेश के मेघवाल समाज में खुशी की लहर है। समाज के लोगों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजकुमार पुत्र श्री बंशीधर शर्मा, जाति ब्राह्मण, उम्र 62 वर्ष, निवासी ग्राम डूमोली खुर्द, तहसील सिंघाना, तहसील बुहाना, जिला झुंझुनूं (राजस्थान) अपने पुत्र रविदत्त एवं उसकी पत्नी मनीषा के आचरण एवं व्यवहार से असंतुष्ट होकर उन्हें अपनी चल-अचल संपत्ति एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों से आज दिनांक 19 मई 2026 से पृथक / बेदखल करता हूं। अतः आज दिनांक के बाद यदि कोई व्यक्ति मेरे पुत्र रविदत्त अथवा उसकी पत्नी मनीषा के साथ किसी प्रकार का लेन-देन, खरीद-फरोख्त, उधार, जमानत अथवा अन्य आर्थिक व्यवहार करता है, तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं संबंधित व्यक्ति की होगी। ऐसे किसी भी लेन-देन, ऋण, विवाद, आर्थिक हानि अथवा कानूनी दायित्व के लिए मैं अथवा मेरा परिवार किसी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा। यह सूचना आमजन की जानकारी एवं भविष्य में किसी प्रकार के विवाद से बचाव हेतु प्रकाशित करवाई जा रही है।

दिनांक: 19 मई 2026
स्थान: बुहाना

भवदीय
राजकुमार पुत्र बंशीधर शर्मा
निवासी - ग्राम डूमोली खुर्द
जिला झुंझुनूं, राजस्थान

पहाड़ी में धधकी आग से चार हैक्टेयर वन क्षेत्र राख, दमकलें थमीं तो ट्रैक्टरों से चला बचाव अभियान

उकेरी-नांदना की पहाड़ियों में पांच घंटे चला संघर्ष, दौसा-अलवर वन विभाग और ग्रामीणों की सूझबूझ से टला बड़ा नुकसान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उकेरी और नांदना गांव के बीच स्थित पहाड़ियों में सोमवार दोपहर भड़की भीषण आग ने देखते ही देखते करीब चार हैक्टेयर वन क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं और सूखी वनस्पति के कारण आग इतनी तेजी से फैली कि पहाड़ी क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की लपटों में करीब दो दर्जन बड़े पौधे झुलस गए, जबकि लगभग 80 छोटे पौधे पूरी तरह नष्ट हो गए। पहाड़ी का दुर्गम भूभाग और ऊंचाई राहत कार्य में सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आई, लेकिन वन विभाग और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयासों ने आखिरकार शाम तक हालात पर काबू पा लिया। अलवर जिले के सहायक वनपाल हरकेश मीणा ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 12 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पहाड़ियों के समीप खेतों में जलाए गए कचरे की चिंगारियों से सूखी झाड़ियां और वनस्पति सुलग उठी, जिसने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलते ही मंडावर-महवा वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन पहाड़ी रास्तों की कठिन चढ़ाई और ऊबड़-खाबड़ भूभाग के चलते आग तक पहुंचना आसान नहीं रहा।

स्थिति गंभीर होती देख अलवर जिले से अतिरिक्त वन विभाग टीम बुलाई गई तथा महवा और राजगढ़ से दमकल वाहन भी घटनास्थल के लिए रवाना किए गए। हालांकि पहाड़ी की ऊंचाई के कारण दमकलों के पाइप आग तक नहीं पहुंच सके, जिससे राहत कार्य प्रभावित हुआ। इसके बाद वन विभाग और ग्रामीणों ने पारंपरिक संसाधनों का सहारा लिया। खेतों में दवाई छिड़काव में काम आने वाली मशीनों को ट्रैक्टरों में लगाकर पानी का छिड़काव शुरू किया गया। ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और वन विभाग की सतर्क रणनीति के चलते करीब पांच घंटे तक लगातार अभियान चलाया गया और शाम करीब पांच बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। वन मित्र छोटेलाल मीणा ने बताया कि यदि समय रहते संयुक्त प्रयास नहीं किए जाते तो आग और बड़े वन क्षेत्र को अपनी चपेट में ले सकती थी। आगजनी की इस घटना ने एक बार फिर गर्मी के मौसम में खेतों में कचरा जलाने से पैदा होने वाले खतरे को उजागर कर दिया है। पूरे अभियान के दौरान दौसा जिले से फोरेस्टर लाखनसिंह, वनरक्षक किशनसहाय, भगवान सहाय, वनमित्र जगदीश सैनी और छोटेलाल मीणा तथा अलवर जिले से सहायक वनपाल हरकेश मीणा, वनरक्षक पिंटू मीणा और हरिश शर्मा ने मोर्चा संभाले रखा। कठिन हालात के बीच वनकर्मियों और ग्रामीणों की सामूहिक तत्परता से बड़ा पर्यावरणीय नुकसान होने से बच गया।

महिला अधिकारिता विभाग में रेखा जांगिड की गोद भराई रस्म आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

महिला अधिकारिता विभाग में मंगलवार को विभाग में कार्यरत रेखा जांगिड की गोद भराई रस्म का आयोजन पारंपरिक उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रेखा जांगिड को उपहार भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक विप्लव न्योला, आईसीडीएस के उप निदेशक विजेंद्र राठौड़, सुपरवाइजर पूजा, सुनीता , सरिता दनेवा , अल्का पूनिया, मोनिका, रतना, उषा कुलहरी, गोविंद, मनोज स्वामी, राहुल, सुनीता सहित रेखा जांगिड के पति सूचना सहायक अविनाश जांगिड़ एवं परिवारजन उपस्थित रहे। उप निदेशक विप्लव न्योला ने बताया कि गोद भराई भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा है, जिसके माध्यम से गर्भवती महिला की देखभाल, खानपान एवं प्रसव पूर्व तैयारियों के प्रति परिवार को जागरूक किया जाता है। वहीं आईसीडीएस के उप निदेशक विजेंद्र राठौड़ ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर माह में एक बार गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सकें। कार्यक्रम के दौरान सभी ने रेखा जांगिड के स्वस्थ एवं सुखद मातृत्व जीवन की कामना की करते हुवे पौधा भी भेंट किया।

चिड़ावा में नारायण दर्शन कार्यक्रम का छठा आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न

वाल्मीकि बस्ती स्थित अंबेडकर भवन में हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला चिड़ावा के सेवा विभाग द्वारा 'नर सेवा नारायण सेवा' के भाव से चलाए जा रहे नारायण दर्शन कार्यक्रम का छठा आयोजन सोमवार दिनांक 18 मई 2026 को वाल्मीकि बस्ती स्थित अंबेडकर भवन में बड़े उत्साह, श्रद्धा और उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नारायण दर्शन हेतु 11 मुखी बालाजी आश्रम से पूज्य महंत रामदेव शास्त्री स्वयं पधारे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बस्ती के प्रभावी व्यक्तित्व भोलाराम ने की। इस अवसर पर महंत रामदेव जी शास्त्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय समाज को चार वर्णों में विभाजित किया गया था, जिसमें व्यक्ति को अपनी योग्यता और कर्म के आधार पर चयन की स्वतंत्रता थी। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में कहीं भी छुआछूत, भेदभाव, ऊँच-नीच अथवा सामाजिक असमानता का कोई नियम नहीं है। समाज में जो भी छुआछूत, भेदभाव और ऊँच-नीच दिखाई देती है, वह सामाजिक कुरीति है, जिसे हम सभी को मिलकर दूर करना होगा। वाल्मीकि समाज की बस्ती के प्रभावी व्यक्तित्व भोलाराम ने महंत रामदेव जी शास्त्री का माल्यार्पण कर स्वागत किया। उन्होंने महाराज द्वारा बताए गए वचनों को आत्मसात करने का संकल्प लिया तथा

बस्तीवासियों से कार्यक्रम के विषय को गंभीरतापूर्वक जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान महंत रामदेव शास्त्री ने उपस्थित सभी बस्ती वासियों में नारायण प्रभु के दर्शन करते हुए मंच से दंडवत प्रणाम किया। इस भावपूर्ण दृश्य ने उपस्थित सभी लोगों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात महाराज ने वाल्मीकि बस्ती में भ्रमण किया तथा अनेक घरों में जाकर आत्मीय भाव से जलपान भी ग्रहण किया। इस दौरान बस्तीवासियों में विशेष उत्साह, उमंग और श्रद्धा का वातावरण दिखाई दिया। महाराज भी बस्ती वासियों में नारायण दर्शन कर अत्यंत भाव-विभोर दिखाई दिए। ज्ञात हो कि इससे पूर्व चिड़ावा में नारायण दर्शन के कार्यक्रम लोहार बस्ती, सुथरा बस्ती और बंजारा बस्ती सहित विभिन्न बस्तियों में भी उत्सवपूर्वक संपन्न हो चुके हैं। पूर्व में आयोजित पाँच कार्यक्रमों के अंबेडकर भवन में यह छठा कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के अंत में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तथा प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में बस्तीवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नारायण दर्शन के संदेश को समाज में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

फतेहाबाद पुलिस की बडी पहल: स्कूली बच्चों को साइबर अपराध और दहेज कुरीति के प्रति किया जागरूक

राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गांव पीरथला में विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन

विद्यार्थियों को दिए साइबर सुरक्षा के टिप्स और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा-

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक सुधार एवं जागरूकता अभियान के तहत आज राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गांव पीरथला में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला सुरक्षा टीम प्रभारी निरिक्षक मन्जु व सहायक उप-निरीक्षक (ए एस आई) सुनीता ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की और विद्यार्थियों को वर्तमान समय के गंभीर अपराधों के प्रति सचेत किया।

साइबर फ्रॉड से बचाव की जानकारी:

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए

एक एस आई सुनीता ने कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। उन्होंने बच्चों को 'साइबर फॉक्स' और अन्य ऑनलाइन खतरों के बारे में विस्तार से बताया,निरिक्षक मन्जु ने छात्राओं से संवाद करते हुए 'दहेज कुरीति' को समाज के लिए एक बड़ा कलंक बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही इस कुप्रथा को जड़ से खत्म कर सकता है। उन्होंने छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया।

नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा:

इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के विनाशकारी परिणामों के बारे में भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे जैसी बुराई से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा और खेलकूद में लगानी चाहिए ताकि एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सके।

फतेहाबाद पुलिस का लक्ष्य

फतेहाबाद पुलिस का उद्देश्य स्कूलों में जाकर बच्चों को जागरूक करना है ताकि वे भविष्य में किसी भी प्रकार के अपराध का शिकार होने से बच सकें। स्कूल प्रबंधन ने पुलिस द्वारा दी गई इस बहुमूल्य जानकारी और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

चिड़ावा में पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल: श्री विवेकानंद मित्र परिषद ने लिया रविवार को केवल 'EV' और पैदल चलने का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर की हृदयस्थली विवेकानंद चौक में श्री विवेकानंद मित्र परिषद की ओर से पर्यावरण सुरक्षा और ईंधन बचत को लेकर एक बेहद सराहनीय और अनूठा संकल्प लिया गया है। देश पर वर्तमान में छाए वैश्विक संकट और बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए परिषद ने नागरिकों से हर रविवार को पेट्रोल-डीजल वाहनों का उपयोग पूरी तरह बंद रखने की अपील की है। इस मुहिम के तहत परिषद के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने संकल्प लिया कि वे हर रविवार को केवल इलेक्ट्रिक वाहन (EV) का उपयोग करेंगे या फिर पैदल चलेंगे, ताकि देश का कीमती ईंधन बचाया जा सके और पर्यावरण को स्वच्छ रखा जा सके।

'ईंधन बचाओ, भविष्य बचाओ' का संदेश

परिषद की ओर से जारी पोस्टर के माध्यम से 'कम प्रदूषण, स्वस्थ जीवन, स्वच्छ भारत और सशक्त भारत' का संदेश दिया गया। परिषद का

मानना है कि यदि हर नागरिक सप्ताह में कम से कम एक दिन भी पारंपरिक ईंधन (पेट्रोल-डीजल) का त्याग कर इलेक्ट्रिक वाहनों या पैदल चलने का विकल्प चुनता है, तो यह देश की उन्नति और पर्यावरण सुरक्षा में एक बहुत बड़ा योगदान होगा। विवेकानंद चौक में आयोजित इस कार्यक्रम और संकल्प के दौरान परिषद के संरक्षक रोहिताश्व महला, शशिकांत तिवाड़ी, महेश शर्मा धन्ना, मनोज मान, अमर सिंह कोकचा, संदीप फतेहपुरिया, पिंचू केडिया, शिव कुमार, वीरेंद्र शर्मा, रमेश कोतवाल, मयंक मंड्रेलिया, पंकज सुलतानिया, मनोज जसरपुरिया सहित परिषद के अनेक समर्पित कार्यकर्ता और प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर इस मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व डीएवी स्कूल में कैंसर एवं एचपीवी वैक्सीन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव संबंधी जानकारी देने के उद्देश्य से पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहाबाद तथा डीएवी स्कूल में कैंसर एवं एचपीवी वैक्सीन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता और कैंसर से बचाव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कैंसर विशेषज्ञ डॉ. रत्नला तुलसी कुमारी ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने सरल एवं प्रभावशाली भाषा में छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे कैंसर के कारणों, लक्षणों एवं बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से एचपीवी वैक्सीन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय पर जागरूकता, नियमित स्वास्थ्य

जांच और सही देखभाल से इस गंभीर बीमारी से काफी हद तक बचाव संभव है। उन्होंने छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पौष्टिक आहार लेने तथा स्वच्छता के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने पूरे उत्साह एवं ध्यानपूर्वक व्याख्यान सुना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीतू डूडेजा द्वारा किया गया जबकि अध्यक्षता अंजू बाला ने की। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ में सुमन वाला, कविता रानी, संगीता रानी सहित अन्य अध्यापक गण उपस्थित रहे।

मंढाणा की अनुसूचित जाति बस्ती में बदबूदार पानी की सप्लाई, ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी

भीम प्रज्ञा न्यूज .नारनौल।

मंढाणा गांव की अनुसूचित जाति बस्ती में अशुद्ध व बदबूदार पेयजल सप्लाई को लेकर ग्रामीणों में रोष है। सामाजिक कार्यकर्ता भाई चांदराम भोड़ीवाल मंढाणा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिला उपायुक्त के नाम नायब तहसीलदार सृष्टि दोहन मलिक को ज्ञापन सौंपकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की।ज्ञापन में बताया गया कि भीषण गर्मी के मौसम में जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से अनुसूचित जाति बस्ती में जो पानी सप्लाई किया जा रहा है, वह बेहद अशुद्ध और बदबूदार है। इस पानी को पीने से बच्चों और बुजुर्गों में बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि साफ पेयजल की कोई अन्य

व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग मजबूरी में गंदा पानी पीने को विवश हैं। भाई चांदराम भोड़ीवाल ने बताया कि इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत मंढाणा के सरपंच को कई बार अवगत करवाया जा चुका है। जनस्वास्थ्य विभाग को भी शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार अनदेखी से अनुसूचित जाति बस्ती के लोगों को बीमारी की ओर धकेला जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही शुद्ध पेयजल की सप्लाई शुरू नहीं की गई और समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो अनुसूचित जाति बस्ती मंढाणा के लोग बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

ज्ञापन देने वालों में भाई चांदराम भोड़ीवाल, कॉमरेड सुभाष चंद्र एडवोकेट सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

कलिंगा फाउंडेशन, भुवनेश्वर के सौजन्य से मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा खेल-सामग्री वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

कलिंगा फाउंडेशन, भुवनेश्वर (ओडिशा) के आनुषंगिक संगठन आर्ट ऑफ गिविंग के सौजन्य से मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आज ट्रस्टी डॉ. कांता भारती के कुशल संचालन और चीफ ट्रस्टी डॉ. रामनिवास 'मानव' के प्रेरक सानिध्य में हूडा सैक्टर स्थित अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र 'मनुमुक्त भवन' में आयोजित समारोह में क्षेत्र के बत्तीस सरकारी विद्यालयों को नैट और दो-दो बास्केटबॉल वितरित किये गये। नारनौल के खंड शिक्षा अधिकारी पवन कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार मुख्य अतिथि तथा अटेली के खंड शिक्षा अधिकारी मुकेशकुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने कलिंगा फाउंडेशन की खेल-भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा कहा कि फाउंडेशन के इस प्रयास से युवा पीढ़ी का खेलों के प्रति रुझान बढ़ेगा। चीफ ट्रस्टी डॉ. 'मानव' ने भी आशा प्रकट की कि कलिंगा फाउंडेशन से प्रेरणा लेकर अन्य शैक्षणिक संस्थान तथा औद्योगिक घराने भी पिछड़े और

ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों के समुचित विकास हेतु आगे आयेंगे।

उल्लेखनीय है कि कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (किट) और कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (किस्स) नामक दो विश्व-प्रसिद्ध विश्वविद्यालय संचालित करने वाले कलिंगा फाउंडेशन द्वारा विद्यार्थियों में खेल-भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'शेयर टू शाइनिंग' योजना के तहत पूरे देश के विद्यालयों में यह खेल-सामग्री वितरित की जा रही है। बता दें, फाउंडेशन के अध्यक्ष और राज्यसभा तथा लोकसभा के सदस्य रहे डॉ. अच्युत सामंत को मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा सन् 2018 में एक लाख रुपये के 'राष्ट्रीय मनुमुक्त 'मानव' स्मृति-पुरस्कार' से पुरस्कृत किया जा चुका है।

गाँव के बच्चों में असीम प्रतिभा, शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव: सुभाष बराला

राज्यसभा सांसद ने गजुवाला के 'पीएम श्री स्कूल' में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने वाले होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। ग्रामीण

परिवेश के विद्यार्थियों में असीम प्रतिभा छिपी हुई है और उन्हें सही अवसर व उचित मंच प्रदान करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। सरकार का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण अंचल के बच्चों को हर आधुनिक सुविधा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, ताकि वे बिना किसी बाधा के आगे बढ़ सकें। यह बात राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मंगलवार को गाँव गजुवाला के 'पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय' में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि ग्रामीणों, शिक्षकों ौर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में पहुँचने पर विद्यालय परिवार, ग्राम पंचायत एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा सांसद सुभाष बराला का जोरदार और आत्मीय स्वागत किया गया। सांसद सुभाष बराला ने मेधावी छात्रों को सम्मानित करते हुए कहा कि यह अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम पिछले कई वर्षों से लगातार उत्कृष्ट रहा है। यहाँ के प्रतिभाशाली विद्यार्थी राज्य एवं जिला स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर अपने गाँव, क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही मार्गदर्शन मिले तो ग्रामीण प्रतिभाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहने वाली हैं। सांसद ने विद्यालय के शानदार प्रदर्शन पर शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक सफलता केवल विद्यार्थियों की मेहनत का ही परिणाम नहीं है, बल्कि यह यहाँ के शिक्षकों के अटूट समर्पण, कड़े अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का श्रेष्ठ उदाहरण है। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और इसे आधुनिक की जरूरतों के अनुरूप ढालने के लिए संकल्पबद्ध है। सरकार के विजन के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे ये गुणात्मक बदलाव आज प्रदेश की भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित कर रहे हैं। ग्रामीण परिवेश में रहकर भी इस विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में जो नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं, वह वास्तव में प्रेरणादायी है। इस समग्र विकास यात्रा में सरकार का सहयोग और आमजन की सहभागिता का ही परिणाम है कि आज हमारे गाँव के बच्चे शहरी बच्चों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहे हैं। राज्यसभा सांसद ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रतिभाओं को सम्मान देना और विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना हम सभी का सामूहिक सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को और अधिक सुदृढ़ करने तथा स्कूलों में बुनियादी ढांचागत सुविधाओं का विस्तार निरंतर किया जा रहा है। इस दौरान, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों से आह्वान किया की कि वे न केवल पौधे लगाएँ, बल्कि उनकी देखभाल भी करें ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण मिल सके।

एनआरसीसी की आईआरसी बैठक आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज

बीकानेर । भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर की संस्थान अनुसंधान परिषद (आई.आर.सी.) की वार्षिक बैठक आज आयोजित की गई। पूरे दिन चली इस बैठक में केन्द्र की विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं, नवाचारों एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में विषय विशेषज्ञ डॉ. जय कुमार कौशिक, अध?यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-राष्?ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल ने कहा कि वैज्ञानिक प्रगति के लिए सकारात्मक आलोचना, खुला विमर्श और वैश्विक नवाचारों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने मूलभूत एवं व्यावहारिक अनुसंधान दोनों को समान रूप से महत्वपूर्ण बताते हुए ऊँट के दूध में मौजूद कैमल लैक्टोफेरिन जैसे जैव-सक्रिय गुणों पर शोध की वैश्विक संभावनाओं को रेखांकित किया। देश में ऊँटों की घटती संख्या और बदलते परिदृश्य का हवाला देते हुए उन्होंने उष्ट्र पालन की चुनौतियों हेतु उपभोक्ता-केंद्रित व नवीन अनुसंधान पर बल दिया। साथ ही, डॉ. कौशिक ने ऊँट पालकों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए एनआरसीसी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

केन्द्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पूनिया ने संस्थान की अनुसंधान उपलब्धियों और वर्तमान गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वैज्ञानिक ऊँटों से जुड़े विविध पहलुओं पर महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बैठक में केंद्र द्वारा किए गए नवाचारों को रेखांकित किया और विश्वास दिलाया कि विशेषज्ञ द्वारा दिए गए मूल्यवान सुझावों व मार्गदर्शन को अनुसंधान कार्यों में समाहित किया जाएगा, जिससे परियोजनाओं की गुणवत्ता और उपयोगिता और सुदृढ़ हो सके। साथ ही, डॉ. पूनिया ने चल रहे अनुसंधानों के बेहतर कार्यान्वयन, सही दिशा और अपेक्षित परिणामों के लिए विशेषज्ञों से निरंतर मार्गदर्शन की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर केन्?द्र के डॉ. राकेश रंजन, सदस्य सचिव, आईआरसी द्वारा आई.आर.सी. की पिछली बैठक के निर्णयों संबंधी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। बैठक की कार्यवाही के दौरान सभी वैज्ञानिकों ने बारी-बारी से अपनी परियोजनाओं में गत वर्ष के दौरान किए गए कार्यों एवं भविष्य में प्रस्तावित अनुसंधान परीक्षणों का विवरण प्रस्तुत किया, जिनकी विस्तार से विवेचना की गई तथा परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु आवश्यक सुझाव प्रदान किए गए।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी डिपार्टमेंट का स्टेट चेयरमैन नियुक्त होने पर विधायक चंद्रप्रकाश ने जताया आभार

सभी को संगठित करते हुए ओबीसी के हितों के लिए पूरी निष्ठा से काम किया जाएगा : विधायक चंद्रप्रकाश

ओबीसी डिपार्टमेंट का स्टेट चेयरमैन नियुक्त होने पर विभिन्न संस्थाओं ने विधायक चंद्रप्रकाश को दी शुभकामनाएं

विधायक चंद्रप्रकाश प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी डिपार्टमेंट के स्टेट चेयरमैन नियुक्त, खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार/मंडी आदमपुर।

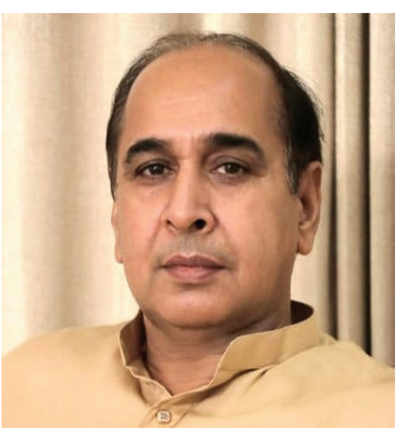

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी डिपार्टमेंट का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के लिए चंद्रप्रकाश ने शीर्ष नेतृत्व सहित सभी कांग्रेस पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस की महान नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, न्याययोद्धा व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय संगठन महासचिव प्रियंका गांधी और राष्ट्रीय संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने जो विश्वास जताया है, उस विश्वास को बनाए रखते हुए जनहित का काम किया जाएगा। चंद्रप्रकाश ने हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी बी. के. हरिप्रसाद, ओबीसी डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा, जुझारू व युवा सांसद चौ. दीपेंद्र सिंह हुड्डा, सह प्रभारी जितेंद्र बघेल व प्रफुल्ल गोडाडे का विशेष सहयोग के लिए धन्यवाद प्रेषित किया है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि ओबीसी डिपार्टमेंट के स्टेट चेयरमैन के पद पर कार्य करते हुए और सभी को संगठित करते हुए ओबीसी के हितों के लिए पूरी निष्ठा से काम किया जाएगा और कांग्रेस पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। विधायक चंद्रप्रकाश के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी डिपार्टमेंट के चेयरमैन नियुक्त होने पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। इस नियुक्ति से ओबीसी समाज, कार्यकर्ताओं व समर्थकों में खुशी की लहर है। समर्थकों ने कहा कि विधायक चंद्रप्रकाश के अनुभव व कुशलता का लाभ ओबीसी डिपार्टमेंट को अवश्य मिलेगा।

सीएमएचओ ने सिंघाना सीएचसी के नए भवन का निरीक्षण किया: अस्पताल भवन में बनेगी चारदीवारी, जल्द होगा मॉर्च्युरी का निर्माण

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

सिंघाना कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के नवनिर्मित भवन का मंगलवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ. गुर्जर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सीएचसी के लिए नया भवन बनवाया गया है। निर्माण के दौरान कुछ कमियां सामने आई थीं, जिनकी जांच के लिए यह निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पेयजल की समस्या, नवनिर्मित अस्पताल भवन की चारदीवारी का अभाव और मोर्च्युरी न होने की बात सामने आई।

इन कमियों को लेकर निदेशालय को पत्र भेजकर अवगत कराया जाएगा। सीएमएचओ ने अस्पताल भवन में वार्ड, ओपीडी, पेयजल, बिजली और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएंगी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर की चारदीवारी न होने और मोर्चरी भवन की कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठा। इस पर सीएमएचओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर की सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जल्द ही चारदीवारी एवं मोर्च्युरी निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाए। स्थानीय लोगों और अस्पताल स्टाफ ने भी मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता को लेकर अधिकारियों को अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि नए भवन में अस्पताल संचालन शुरू होने से मरीजों को राहत मिली है, लेकिन चारदीवारी न होने से सुरक्षा संबंधी परेशानी बनी हुई है। सीएमएचओ ने आश्वासन दिया कि अस्पताल से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर बीसीएमओ डॉ. दूलीचंद, प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र सैनी, नर्सिंग ऑफिसर बजरंग सैनी, एलटी सुभाष चंद्र सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही सरकार : सुभाष बराला

गांव जांडली कलां में आधुनिक पार्क व गली और लहरिया में नवनिर्मित लाइब्रेरी का किया भव्य उद्घाटन

राज्यसभा सांसद ने जाण्डली कलां और लहरिया में लगभग 55 लाख रुपए लागत की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्य और केन्द्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि गांवों के बच्चों और आम जनमानस को भी शहरों जैसी आधुनिक शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य सुविधाएं अपने गांव में ही उपलब्ध हों, ताकि ग्रामीण अंचल आत्मनिर्भर और प्रगतिशील बन सके। यह बात राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने सोमवार को पंचायत फंड स्कीम के अंतर्गत गांव जांडली कलां और लहरिया में लगभग 55 लाख रुपए लागत की वभिन्न जनहितकारी विकास परियोजनाओं के उद्घाटन अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने सोमवार देर सायं गांव जांडली कलां में लगभग 47 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित आधुनिक पार्क एवं पक्की गली का लोकार्पण किया। इसके पश्चात उन्होंने गांव लहरिया में लगभग 8 लाख रुपये की लागत से तैयार की गई आधुनिक लाइब्रेरी का उद्घाटन कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी और वहां आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि केंद्र व हरियाणा सरकार ग्रामीण अंचल को सशक्त बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गांवों में शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य, पक्की सड़कों तथा आधुनिक संसाधनों के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। सरकार की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य गांवों का चहुंमुखी विकास करना है, ताकि हमारे ग्रामीण युवाओं को आगे बढने के लिए शहरों की तरफ रुख न करना पड़े। उन्होंने कहा कि गांव जांडली कलां में नवनिर्मित आधुनिक पार्क बनने से बच्चों, युवाओं, महिलाओं तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य और जीवनशैली में बड़ा सकारात्मक बदलाव आएगा। अब ग्रामीणों को सुबह-शाम की सैर और व्यायाम के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण मिल सकेगा। यह पार्क गांव के पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने के साथ-साथ ग्रामीणों के सामाजिक जुड़ाव को भी अधिक सुगम बनाएगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही नवनिर्मित पक्की गली के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। बरसात के दिनों में जलभराव और कीचड़ जैसी पुरानी समस्याओं से हमेशा के लिए निजात मिलेगी तथा गांव के अंदर से आने-जाने वालों के लिए रास्ता अधिक सुरक्षित, साफ-सुथरा और सुगम बनेगा। राज्यसभा सांसद ने कहा कि गांव लहरिया में नवनिर्मित आधुनिक लाइब्रेरी के खुलने से गांव के विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को पढ़ाई के लिए एक बेहतरीन और शांत माहौल मिलेगा। युवाओं को उच्च शिक्षा, विभिन्न सरकारी नौकरियों की तैयारी और ज्ञानवर्धन के लिए बार-बार दूर शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि अधिकांश पठन-पाठन सामग्री उन्हें गांव स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने जनसभा में मौजूद लोगों को आश्वस्त किया कि ग्रामीण विकास के कार्यों में फंड की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी और आने वाले समय में भी विकास का यह पहिया इसी गति से आगे बढ़ता रहेगा। इस अवसर पर सांसद ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और मौके पर मौजूद अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर हरकोफेड के चेयरमेन वेद फूला, बीडीपीओ सुशील कुमार, गांव जांडली कलां की सरपंच शीला भैरो, गांव लहरिया की सरपंच अरुणा नेहरा, विजय कमांडो, पूर्व सरपंच भलेराम, कृष्ण नैन, सुनील प्रधान, रमेश कामरेड, राजेन्द्र बाल्मीकि, हरिकृष्ण जांगड़ा, रामफल भैरो, रामचंद्र जागलान, बसाऊ राम भैरो, ईश्वर प्रधान, सुरेन्द्र भैरो, रमेश कुमार, चन्द्रलाल सोनी, कर्ण सिंह श्योकंद, जग्गा कुलडिया सहित संबंधित विभागों के प्रशासनिक अधिकारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्राम विकास चौपाल बन रही ग्रामीण विकास का मंच

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा साकार कर रहे ग्रामोदय से अंत्योदय का संकल्प

5 जिलों में ग्रामीणों से हुए रूबरू, 4 गांवों में किया रात्रि विश्राम

20 मई को बांसवाड़ा का चुड़ादा गांव होगा अगला पड़ाव

21 मई को डूंगरपुर के धम्बोला गांव में ग्राम विकास चौपाल

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि गांवों को साथ लेकर ही देश और प्रदेश को विकसित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प पूरा किया जा सकता है। ग्रामोदय से अंत्योदय की अवधारणा पर कार्य करते हुए मुख्यमंत्री ग्राम विकास चौपाल के जरिए स्वयं गांवों में जाकर ग्रामीणों से रूबरू हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्रामीणों की परिवेदनाओं के निस्तारण के साथ ही मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यों के लिए हाथों-हाथ आदेश भी जारी हो रहे हैं।

स्थानीय विकास को लेकर तुरंत हो रहे महत्वपूर्ण फैसले

मुख्यमंत्री की ग्राम विकास चौपालें केवल ग्रामीणों से संवाद का ही नहीं समाधान का भी प्रभावी मंच साबित हो रही हैं। चाहे सीकर के जाजोद गांव में छात्राओं की मांग पर एक रात में विद्यालय में विज्ञान संकाय खोलना हो या अजमेर के कड़ेल गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नयन, मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता का उदाहरण पेश करते हुए तुरंत कार्य करवाए, जो ग्रामीणों के चेहरों पर मुस्कान की वजह बने। ग्राम विकास चौपाल की कड़ी में मुख्यमंत्री का अगला पड़ाव अब बांसवाड़ा के कुशलगढ़ में चुड़ादा गांव होगा। मुख्यमंत्री बुधवार 20 मई को चुड़ादा पहुंचेंगे और ग्राम विकास चौपाल में ग्रामीणों के साथ संवाद के बाद रात्रि विश्राम भी यहीं करेंगे। इसके बाद गुरुवार 21 मई को सुबह मुख्यमंत्री गांव का पैदल भ्रमण के दौरान घर-घर जाकर लोगों से संवाद करेंगे। वहीं, बांसवाड़ा कलक्ट्रेट में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर मुख्यमंत्री सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक भी लेंगे। मुख्यमंत्री गुरुवार दिनांक 21 मई को ही डूंगरपुर भी पहुंचेंगे। जहां कलक्ट्रेट में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेने के बाद मुख्यमंत्री चौरासी के धम्बोला गांव पहुंचेंगे। यहां ग्राम विकास चौपाल और रात्रि विश्राम के बाद शुक्रवार दिनांक 22 मई को सुबह पैदल भ्रमण कर मुख्यमंत्री आमजन से बातचीत भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अब तक प्रतापगढ़ के बम्बोरी, सीकर के जाजोद, अजमेर के कड़ेल, जालोर के पंसेरी और जयपुर के ठिकरिया गांव में ग्राम विकास चौपाल कर चुके हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पेट्रोल-डीजल में बचत की अपील के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ना केवल काफिले में वाहनों की संख्या में कमी की है, बल्कि मुख्यमंत्री इलेक्ट्रिक वाहन में ही सफर कर रहे हैं। वागड़ में होने वाली ग्राम विकास चौपाल सहित अन्य कार्यक्रमों के लिए मुख्यमंत्री ईवी का ही उपयोग करेंगे।

24 मई को राजस्थान में 'संडेज ऑन साइकिल' का महाअभियान, फिट इंडिया मूवमेंट से जुड़ेगी प्रदेश की पुलिस इकाइयाँ

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । युवाओं और आमजन में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार आगामी 24 मई 2026 को राजस्थान में 'संडेज ऑन साइकिल' अभियान का प्रदेशव्यापी आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस आर्म्ड बटालियन एवं मुख्य खेल अधिकारी राजस्थान पुलिस रुपिंदर सिघ द्वारा सभी जिला पुलिस इकाइयों, प्रशिक्षण संस्थानों एवं अन्य पुलिस इकाइयों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। श्री सिघ ने बताया कि यह विशेष आयोजन फिट इंडिया मूवमेंट और खेलो इंडिया अभियान के तहत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आमजन को नियमित व्यायाम, साइकिलिंग और सक्रिय जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है। प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में साइकिलिंग के साथ योग, रनिंग और रोप स्किपिंग जैसी गतिविधियाँ भी शामिल रहेंगी, ताकि सभी आयु वर्ग के लोग इसमें भागीदारी कर सकें। इस बार संडेज ऑन साइकिल का आयोजन राष्ट्रमंडल खेल (CWG) थीम पर किया जा रहा है। वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत की सफल दावेदारी के बाद यह आयोजन और अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अभियान के माध्यम से खेल भावना, फिटनेस और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश की खेल संस्कृति को मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा। मुख्य खेल अधिकारी राजस्थान पुलिस श्री सिघ ने बताया कि सभी पुलिस इकाइयों को कार्यक्रमों का प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करने तथा अधिकतम जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

मुम्बई को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम बुधवार को यहां अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। इस मैच में अगर केकेआर हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। आजिंक्य रहाणे की कप्तान में उतरी केकेआर की राह आसान नहीं होगी क्योंकि मुम्बई की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है और अब वह बिना किसी दबाव के निडर होकर खेलेगी। मुम्बई इस मैच को जीतकर टूर्नामेंट का अपना सफर सम्मानजनक तरीके से समाप्त करना चाहेगी। उसके पास खोने को कुछ नहीं है, ऐसे में इस मैच में पूरा दबाव केकेआर पर रहेगा।

अगर इस मैच में केकेआर हार जाती है, तो रहाणे के नेतृत्व में लगातार दूसरे सत्र में वह प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायेगी हालांकि मुंबई के खिलाफ जीत भी केकेआर के लिए पर्याप्त नहीं होगी। प्लेऑफ के लिए उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले मैच के परिणान पर भी नजर रखनी होगी। अगर पंजाब वह मैच जीत जाता है तो केकेआर प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। ऐसे में वह चाहेगी कि सुपर जायंट्स ये मैच जीते।

केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान रहाणे, फिन एलन अंगकृष रघुवंशी और कैमरन पर निर्भर है। एलन ने अपनी पिछली तीन पारियों में एक शतक और 93 रन की तूफानी पारी खेली है। अंगकृष और ग्रीन ने भी अच्छा खेला है। रिंकू सिंह ने अब तक मध्यक्रम को अच्छे तरीके से संभाला है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी मथीशा पथिराना और वरुण चक्रवर्ती पर रहेगी। टीम के लिए हालांकि चिन्ता की बात वरुण की फिटनेस रहेगी। वरुण अगर इस मैच में नहीं खेलते तो ये टीम के लिए झटका होगा।

वहीं दूसरी ओर कप्तान हार्दिक पंड्या लीग के इस अंतिम मैच में जीत के साथ ही टीम का मनोबल बढ़ना चाहेंगी। वह चोट के कारण पिछले तीन मैच नहीं खेल पाए थे पर उनके इस मैच में खेलने की पूरी संभावना है। हार्दिक का

प्रदर्शन हालांकि अबतक गेंद और बल्ले से अच्छा नहीं रहा है। वह आठ पारियों में केवल 146 रन बना पाये हैं। गेंदबाज में केवल चार विकेट ले पाये हैं। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और उनका भी लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना होगा। टीम की गेंदबाजी ट्रेंट बोल्ट, कॉर्बिन बॉश के पास रहेगी।

आंकड़ों पर नजर डाले तो अब तक दोनो के बीच 36 मैच हुए हैं। जिसमें से 25 मुम्बई और 11 केकेआर ने जीते हैं। कोलकाता ने पांच जीत और एक मैच का परिणम नहीं निकलने के कारण 11 अंक हासिल किये हैं और वह अंकतालिका में आठवे नंबर पर है। वहीं मुम्बई ने चार मैच जीतकर आठ अंक हासिल किये हैं और वह नौवें स्थान पर है।

टीम इस प्रकार है

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, वरुण चक्रवर्ती, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, इम्पैक्ट प्लेयर- मथीशा पथिराना

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), नमन धीर, तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, रघु शर्मा, इम्पैक्ट प्लेयर- रोहित शर्मा

रैना को अगले साल भी धोनी के आईपीएल खेलने की उम्मीदें

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी आईपीएल के 19 वें सत्र में आंखिरकार पहली बार 18 मई को चेपॉक स्टेडियम में नजर आये। धोनी का आना प्रशंसकों और और टीम के लिए एक भावुक पल रहा। धोनी इस सत्र में फिट नहीं होने से कारण अब तक बाहर थे। यह सीएसके का अपने घरेलू मैदान पर अंतिम मैच था, इसलिए ये भी कहा जाने लगा कि अब धोनी अगले सत्र में नहीं दिखेंगे। जिस प्रकार से धोनी ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ मैदान का चक्कर लगाकर अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया। उससे भी इस बात को बल मिला कि उनकी आईपीएल से विदायी हो गयी है हालांकि सीएसके में उनके साथी रहे सुरेश रेना को ऐसा नहीं लगता। रैना के भरोसे की वजह ये है कि धोनी ने आधिकारिक तौर पर संन्यास की घोषणा नहीं की है। रैना अभी आईपीएल में कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। उनकी और धोनी की एक साथ मौजूदगी ने सीएसके फैंस में जबरदस्त जोश भर दिया था। इसी दौरान , रैना ने धोनी के रिटायरमेंट को लेकर किए गए अपने संवाद का खुलासा किया। उन्होंने बताया, मैंने उनसे कहा कि आईपीएल 2024 केवल एक मिस्ड कॉल था, जिसे मैं नहीं गिनता। आपको अगले साल फिर से वापस आना होगा। रैना के अनुसार, धोनी ने जवाब में कहा, मेरा शरीर अब थोड़ा कमजोर पड़ रहा है। इस पर रैना ने कहा, हम सब इसमें विश्वास नहीं रखते हैं। आपको अगले साल खेलना ही होगा। रैना ने इस बातचीत को सकारात्मक बताया और कहा कि उन्हें लगा कि धोनी की तरफ से यह एक अच्छा संकेत था। उन्होंने आगे कहा कि पूरी टीम भी यही चाहती है कि वह अगले साल मैदान पर उतरें। रैना के इस खुलासे ने करोड़ों सीएसके प्रशंसको में नई उम्मीद जगा दी है, जो अपने चहेते कप्तान को एक और सत्र के लिए खेलते हुए देखना चाहते हैं। हालांकि धोनी ने खुद इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है

सीएसके के खिलाफ जीत के बाद आरसीबी, गुजरात के बाद सनराइजर्स भी प्लेऑफ में पहुंची

चेन्नई (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल 2026 के मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली है। इस मैच में

सनराइजर्स हैदराबाद की जीत के साथ ही अंक तालिका में काफी बदलाव आया है। आरसीबी की टीम 18 अंकों के साथ पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही है। वहीं गुजरात टाइटंस 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर लिया है और सनराइजर्स हैदराबाद भी 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर चुकी है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और राजस्थान रॉयल्स 12 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर है। वहीं, सीएसके की टीम के भी 12 अंक हैं और वह छठवें स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स के भी अब 12 अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है। वहीं केकेआर 11 अंकों के साथ आठवें नंबर पर है। अंक तालिका में पहले ही मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है और वह आठ अंकों के साथ नवे स्थान पर है, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स भी 8 अंकों के साथ ही कम रन रेट के कारण दसवें स्थान पर है।

हेनरिक क्लासेन ऑरेंज कैप की रैस में नंबर वन बने

सीएसके के खिलाफ 47 रनों की पारी के साथ ही हेनरी क्लासेस कुल 555 रन बनाकर ऑरेंज कैप की रेस में नंबर ए पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की रेस में अभी भी भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बने हुए हैं।

शुभमन की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली आगामी बहु-प्रारूपीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या, दोनों ही वनडे अंतरराष्ट्रीय (ओडी) टीम का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी उपलब्धता सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर करेगी। केएल राहुल को टेस्ट टीम का नया उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि ऋषभ पंत को विकेटकीपर की विशेष भूमिका सौंपी गई है।

हर्ष दुबे (विदर्भ) और गुरनूर बराड़ (पंजाब) को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है और दोनों ही पूरी श्रृंखला में खेलेंगे। मानव सुथार को भी टेस्ट टीम में जगह मिली है। वहीं, रवींद्र जडेजा को दोनों टीमों ने नजरअंदाज कर दिया है।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जडेजा की अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर को सिर्फ आराम दिया गया है, क्योंकि दुबे और सुथार जैसे युवा खिलाड़ियों को सीरीज में मौका मिलने की संभावना है।

यह सीरीज 6 जून से शुरू होगी, जो आईपीएल 2026 के समापन के एक सप्ताह से भी कम समय बाद है। अक्षर पटेल भी दोनों प्रारूपों की टीमों से बाहर हैं। अगरकर ने आगे कहा कि शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम युवाओं को मौका देना चाहती है, क्योंकि 2027 वनडे विश्व कप में अभी 15-16 महीने बाकी हैं। अगरकर ने चयन समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि बुमराह इंग्लैंड दौरे पर वापसी करेंगे। वह अपने कार्यभार प्रबंधन पर काम कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज मानव सुतार और तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को पहली बार टेस्ट टीम में चुना गया है। दोनों आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिये खेलते हैं। वनडे टीम में प्रिंस यादव को जगह मिली है।

टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान),यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर बरार, ध्रुव जुरेल और हर्ष दुबे।

वनडे टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

वैभव को भारतीय टीम में जगह के लिए अपनी फील्डिंग सुधारनी होगी : कैफ

मुम्बई ।राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इस आईपीएल सत्र में 400 से अधिक रन बनाकर अपने को एक बार फिर साबित किया है। आईपीएल के पहले भी अंडर-19 विश्व कप में वैभव ने धमाकेदार बल्लेबाजी की थी। ऐसे में वैभव को भारतीय टीम की शामिल करने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि वह अब पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं। बड़े-बड़े छक्के लगाने में माहिर वैभव गेंदबाज का दबदबा नहीं देखते, बल्कि सिर्फ गेंद को देखकर अपने शॉट्स खेलते हैं। वहीं इसके बाद भी पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि वैभव अभी भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकते। कैफ ने इसके पीछे का कारण भी बताया है। कैफ का मानना है कि भारतीय टीम के लिए लिए खेलने से पहले वैभव को अपनी फील्डिंग ठीक करनी होगी। कैफ का मानना है कि वैभव की फील्डिंगे कमजोर है हालांकि इसपर अधिक लोगों का ध्यान नहीं गया है। कैफ के अनुसार आईपीएल के इस सत्र के मैचों को देखा जाये तो वैभव फील्डिंग में सतर्क नहीं दिखे। इस युवा खिलाड़ी ने इस सत्र में एक भी कैच नहीं लिया है जबकि भारत के लिए खेलते हुए उसे मैदान पर अधिक तेज होना होगा।

कोच फ्लेमिंग ने सीएसके की हार के लिए कप्तान रुतुराज को जिम्मेदार बताया

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लीग मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। इस हार से सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। सीएसके को अब केवल एक मैच खेलना है। फ्लेमिंग ने हार के लिए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है और कहा है कि वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। बल्लेबाजी के दौरान वह रन नहीं बना पाये। उनकी कप्तानी भी अच्छी नहीं रही। सनराइजर्स के खिलाफ इस मैच में गायकवाड़ ने 21 गेंदों में केवल 15 रन बनाए। हैरानी की बात ये रही कि वह पारी शुरु करने के बाद भी एक भी चौका नहीं लगा पाये। किसी भी सलाकी बल्लेबाज से ऐसे प्रदर्शन की अपेक्षा नहीं की जाती। वहीं उनके जोड़ीदार संजू सैमसन ने 13 गेंदों में तेजी से 27 रन बनाये। इस पूरे सत्र में गायकवाड़ का प्रदर्शन लगभग ऐसा ही रहा है, जिसमें निरंतरता और आक्रामक रवैये की कमी साफ दिख रही है। मैच के बाद फ्लेमिंग से जब रुतुराज ने कहा कि कप्तान से इस प्रकार के खेल की उम्मीद नहीं की जाती। फ्लेमिंग ने कहा, मैं पावरप्ले से शुरुआत करूंगा। असल में, विकेट लेना सबसे जरूरी है। हां, मुझे लगता है कि रुतुराज और बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने पहले भी इससे ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है। वह शीर्ष क्रम पर एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने साथ ही जोड़ा, उन्होंने इस सत्र में अपने करियर में जितनी तेजी से रन बनाए हैं, उतने रन इस सत्र में नहीं बनाए हैं। इस पर उन्हें ध्यान देना होगा। वहीं कोच ने माना है कि इस पिच पर बल्लेबाजी कठिन थी। फ्लेमिंग ने यह भी माना है कि 180 रनों का स्कोर ठीक था, क्योंकि पिच से गेंदबाजों को सहायता मिल रही थी। उन्होंने कहा, 180 का स्कोर बनाना बहुत कठिन था। स्पिन गेंदबाजी को लेकर उन्होंने कहा, मैंने उसे समझने में ज्यादा समय नहीं लगाया। उसमें ज्यादा टर्न नहीं था।

आउट दिये जाने के बाद सैमसन को जश्न मनाता देख भड़के क्लासेन

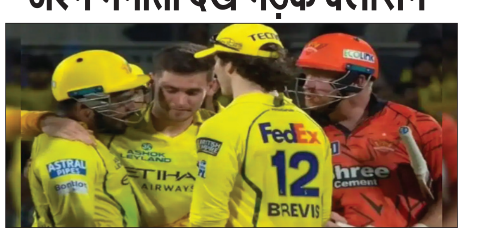

चेन्नई ।सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल के 63 वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाया। इस रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स की जीत में ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन की अहम भूमिका रही। इन दोनो की शानदार पारियों से टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में आकर्षण का केन्द्र हेनरिक क्लासेन का विकेट रहा। क्लासेन आउट दिये जाने पर सीएसके के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को जश्न मनाता हुए देखकर नाराज हो गेय और उनकी सैमसन से तीखी बहस भी हुई। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 20 ओवरों में 180 रन बनाये। इससे के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने एक ओवर पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच के 15वें ओवर में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन नूर अहमद की गेंद पर शॉट खेलने में असफल रहे। ऐसे में विकेटकीपर संजू सैमसन ने उन्हें स्टंप करने में कोई गलती नहीं की पर रीप्ले में दिखा कि क्लासेन का पैर पॉपिंग क्रीज के अंदर था पर जिस क्षण सैमसन ने बेल्स गिराईं, उनका पैर हवा में था, जिसके कारण तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया। सैमसन ने क्लासेन को स्टंप करते ही जश्न मनाना शुरू कर दिया, जिससे क्लासेन भड़क गये। थर्ड अंपायर के फैसले के बाद जब क्लासेन पवेलियन लौट रहे थे, तो उन्होंने सैमसन की ओर कुछ कहा, जिस पर सैमसन ने भी उन्हें उसी अंदाज में जवाब दिया। यह देख मैदान पर माहौल तनावपूर्ण हो गया और अन्य खिलाड़ियों को मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बाद क्लासेन पवेलियन लौट गये।

फीफा विश्वकप के लिए ब्राजील की 26 सदस्यीय टीम घोषित, नेमार भी शामिल

रियो डि जेनेरो (एजेंसी)। ब्राजील ने अगले माह होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में स्टार खिलाड़ी नेमार की वापसी हो गयी है। नेमार चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर थे, अब उनकी वापसी से प्रशंसकों को राहत मिली है। टीम के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने विश्वकप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए कहा कि नेमार की वापसी से टीम में उत्साह है।

नेमार के विश्वकप खेलने को लेकर अबतक संदेह जताया जा रहा था। नेमार ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में ब्राजील के लिए मुकाबला खेला था। उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में उन्हें गंभीर चोट लगी थी। जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। इस चोट से उबरने के बाद यह पहली बार है जब वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बने हैं। फिलहाल वह अपने क्लब सैंटोस एफसी के लिए खेल रहे हैं।

इस साल की शुरुआत में क्लब में वापसी के बाद उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 38 मैचों में 17 गोल किए हैं, हालांकि चोटों के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है।

टीम चयन के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्लो एंसेलोटी ने नेमार को टीम में शामिल करने के अपने फैसले को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि नेमार को बैकअप खिलाड़ी के तौर पर नहीं चुना गया है, बल्कि टीम को उनकी गुणवत्ता और अनुभव की सख्त जरूरत है। एंसेलोटी ने जोर देकर कहा, नेमार चाहे 1 मिनट खेलें या 90 मिनट, सबसे जरूरी है कि वह टीम को क्या योगदान देते हैं। वह तभी खेलेंगे जब ट्रेनिंग और फिटनेस के आधार पर इसके अधिकारी होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे साल नेमार की फिटनेस पर बारीकी से नजर रखी गई और अब वह धीरे-धीरे बेहतर स्थिति में पहुंच रहे हैं।

जहां नेमार की वापसी ने प्रशंसकों को उत्साहित किया, वहीं कई बड़े खिलाड़ियों का टीम में जगह नहीं मिली है। अनुभवी डिफेंडर थियागो सिल्वा के साथ-साथ जोआओ पेड्रो और एंड्रे सैंटोस भी टीम से बाहर हैं। रॉड्रीगो और एस्टेवाओ चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, ब्राजील की टीम विश्वकप में अपना पहला मुकाबला 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम ग्रुप ष्ट में हैती और स्कॉटलैंड का सामना करेगी। नेमार की वापसी से उत्साहित टीम को लक्ष्य अब खिताब जीतना रहेगा।

चेल्सी के नए कोच बने पूर्व स्पेनिश फुटबॉलर ज़ाबी अलोंसो

लंदन ।इंग्लैंड के चेल्सी एफसी क्लब ने स्पेन के पूर्व फुटबॉलर ज़ाबी अलोंसो को अपनी टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 44 साल के मिडफील्डर अलोंसो के साथ क्लब ने चार साल का करार किया है इसकी आधिकारिक घोषणा अभी होनी है। जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन के कोच रहते अलोंसो तेजी से चर्चाओं में आये हैं। इसके बाद से ही वह यूरोप के शीर्ष युवा कोचों में शामिल किए जाते हैं, अब उनके सामने चेल्सी की प्रदर्शन को सुधारना एक नई चुनौती है। पिछले सप्ताह ही अलोंसो ने लंदन में चेल्सी के शीर्ष अधिकारियों के साथ अंतिम दौर की बातचीत की। इस दौरे के बाद ही दोनों पक्षों के बीच चार साल के अनुबंध पर सहमति बन पाई। गौरतलब है कि चेल्सी भी लंबे समय से एक स्थायी और प्रभावशाली कोच की तलाश में था, और अलोंसो को शुरू से ही उनकी पहली पसंद माना जा रहा था। गौरतल है कि अलोंसो कोच के तौर पर तेजी से ऊपर आये हैं। उन्होंने जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन को 2023-24 सीज़न में बुंडेसलीगा खिताब दिलाकर अपनी रणनीतिक क्षमता और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया था। इस ऐतिहासिक जीत ने उन्हें विश्व फुटबॉल में एक ऐसे कोच के रूप में स्थापित किया, जो युवा प्रतिभाओं को निखारने और टीम को एकजुट करने में माहिर है। लेवरकुसेन की सफलता के बाद, अलोंसो स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड के साथ भी रहे। हालांकि, उनका यह रियल के साथ प्रदर्शन कार्यकाल अच्छा नहीं रहा। उन्हें रियल मैड्रिड के ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और खिलाड़ियों के रवैये को लेकर कई समस्याएँ थीं। वहीं ये भी कहा जाता है कि अलोंसो की सख्त रणनीति और अनुशासन-केंद्रित दृष्टिकोण कुछ खिलाड़ियों को पसंद नहीं आया, जिसके कारण कुछ ही महीनों में दोनों पक्ष अलग हो गए।

महिला प्रीमियर लीग में टीम खरीदना चाहती है पंजाब किंग्स फैंचाइजी

नई दिल्ली ।आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन अब महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी एक टीम खरीदना चाहते हैं। बर्मन का मानना है कि महिला क्रिकेट का भविष्य अत्यंत उज्वल है और उनका समूह इसमें निवेश करना चाहता है। बर्मन की यह उम्मीद अभी शायद ही पूरी हो क्योंकि भारतीय बोर्ड अभी डब्ल्यूपीएल में टीमों की संख्या नहीं बढ़ा रहा है। पंजाब किंग्स में 48 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले बर्मन ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग ने बहुत ही कम समय में महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बनायी है। उन्होंने माना है कि शुरुआत में महिला क्रिकेट में निवेश नहीं किया गया था पर अब वह इस लीग में हुए विकास से प्रभावित हैं। उनके अनुसार, महिला क्रिकेट की प्रगति असाधारण रही है और यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक आंदोलन बन गया है। बर्मन ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट का भविष्य बेहद उज्वल है और हम निश्चित रूप से एक महिला आईपीएल टीम खरीदना चाहेंगे। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले साल पहली बार महिला एकदिवसीय विश्व कप जीता था जिसके बाद से ही महिला क्रिकेटरों को भी कई कंपनियों ने विज्ञापन दिये और ब्रांड एंबेसडर बनाया। अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। ये उपलब्धियाँ न केवल खेल में कई कंपनियों की रुचि बढ़ा रही हैं, बल्कि युवा लड़कियों के लिए महिला क्रिकेटरों को प्रमुख खेल हस्तियों और सक्षम पेशेवर खिलाड़ियों के रूप में देखने का अवसर भी प्रदान कर रही हैं। इससे खेल का भविष्य पूरी तरह बदल जाता है। वर्तमान में, डब्ल्यूपीएल में पाँच टीमें हैं, जिनमें से तीन मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स पहले से ही आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्वामित्व में हैं। पंजाब किंग्स जैसे बड़े ब्रांड का इसमें दिलचस्पी दिखाना भविष्य में लीग के संभावित विस्तार और महिला क्रिकेट के वैश्विक विकास के लिए शुभ संकेत माना जा सकता है। यह दर्शाता है कि महिला क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं बल्कि एक आकर्षक निवेश अवसर भी बन गया है।

सिंधु बीडब्ल्यूएफ के 15-अंक के नये प्रारुप को लेकर खुश नहीं

नई दिल्ली ।भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15-अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं। सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, इसे 4 जनवरी 2027 से लागू किया जाना है। इस घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों के ने इस नए प्रारूप को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। सिंधु हाल ही में बीडब्ल्यूएफ 'एथलीट्स आयोग' की अध्यक्ष बनी हैं। उन्होंने पहले भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी अब भी 21-अंक प्रणाली को बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से कही बेहतर मानते हैं। सिंधु ने ने नए स्कोरिंग प्रणाली पर विस्तार को लेकर कहा, 'हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा। आप शुरुआत में खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक और तेज रहना होगा।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा। यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा।' उनकी यह टिप्पणी इस बात पर जोर देती है कि खेल की गति और तीव्रता काफी बढ़ जाएगी, जिससे खिलाड़ियों पर लगातार दबाव बना रहेगा। हालांकि, सिंधु का मानना है कि नया प्रारूप अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कुछ हद तक लाभदायक हो सकता है क्योंकि मैच छोटे हो जाएंगे।

द्रविड़ और राठौर इतने मददगार थे कि कप्तानी के बाद मैं फिर से अपने क्रिकेट का आनंद ले सका : कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु -भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने स्वीकार किया है कि भारत की कप्तानी छोड़ने के बाद वह मानसिक रूप से कठिन और परेशान करने वाले दौर से गुजर रहे थे, लेकिन उन्होंने पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर का आभार व्यक्त किया, जिनकी मदद से उन्हें फिर से क्रिकेट का आनंद लेने में सहायता मिली।

कोहली ने 2022 में कप्तानी छोड़ी थी और उसी वर्ष टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा था। उन्होंने छह टेस्ट मैच में सिर्फ एक अर्धशतक की मदद से 265 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 26.5 रहा था। द्रविड़ ने नवंबर 2021 में मुख्य कोच और विक्रम राठौर ने बल्लेबाजी कोच के रूप में भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने कोहली में फिर से जोश जगाया और संघर्ष कर रहे इस बल्लेबाज को खराब दौर से निकलने में मदद की।

उन्होंने कहा, 'कप्तानी छोड़ने के बाद ही मैंने राहुल भाई और विक्रम राठौर जैसे लोगों से खुलकर बातचीत की और बहुत कुछ साझा किया। 2023 में टेस्ट क्रिकेट में मेरा प्रदर्शन शानदार रहा और जब भी मैं उनसे मिलता हूं, मैं दिल से उनका शुक्रिया अदा करता हूं।' उन्होंने RCB इनोवेशन लैब' के 'इंडियन स्पोर्ट्स समिट' के तीसरे सत्र के दौरान कहा, 'उन्होंने (द्रविड़ और राठौर) मेरा इस तरह ख्याल रखा कि मुझे लगा कि मैं उनके लिए खेलना चाहता हूं। मैं प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं मैदान पर उतरकर जी-जान से मेहनत करना चाहता हूं। वे बहुत ही मददगार थे। उन्होंने मुझे एहसास दिलाया कि मैंने अब तक क्या हासिल किया है।'

भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि द्रविड़ और राठौर उनके मन की अंदरूनी परेशानियों को समझते थे और उन्हें उनसे उबरने का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा, 'राहुल भाई ने टेस्ट क्रिकेट में कई लोगों से कहीं बेहतर तरीके से यह काम किया है। विक्रम कई सालों से मेरे साथ हैं, इसलिए वे मेरी भावनाओं को समझते थे और मेरी स्थिति का एहसास था। उन्होंने मानसिक रूप से मेरा बहुत ख्याल रखा।'

उन्होंने कहा, 'इससे मुझे ऐसी स्थिति मिली जहां मैं फिर से क्रिकेट का आनंद ले सका। लेकिन जब मैं पूरी तरह से व्यस्त था, तब मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं चाहता हूं कि कोई मुझसे पूछे। मैं सब कुछ संभालने में काफी सक्षम था।' द्रविड़ की कोचिंग में कोहली ने 2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ टेस्ट मैचों में 671 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत 56 रहा, जो उनकी वापसी का स्पष्ट संकेत था। कोहली ने यह भी माना कि कप्तानी के दौरान वे धीरे-धीरे अपने भीतर की ऊर्जा खोते चले गए, जिसका उन्हें तब एहसास

नहीं हुआ। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसी स्थिति में पहुंच गया जहां मैं हमारी बल्लेबाजी इकाई और कप्तानी का केंद्र बिंदु बन गया। मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि ये दोनों चीजें मेरे दैनिक जीवन में कितना भार डालेंगी, क्योंकि मैं भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर बनाए रखने के लिए इतना दृढ़ संकल्पित और प्रेरित था।' कोहली ने स्वीकार किया, 'जब मैंने कप्तानी छोड़ी, तब तक मैं पूरी तरह थक चुका था। यह जिम्मेदारी मुझे भीतर तक खा गई थी। यह बेहद कठिन और थकाने वाला अनुभव था, और अपेक्षाओं का बोझ संभालना लगातार मुश्किल होता गया।'

मई के अंतिम सप्ताह में मानसून दे सकता है आमद, कई राज्यों में होगी बारिश

-उत्तर पश्चिम भारत के ज्यादातर राज्य गर्मी का करेंगे सामना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में मॉनसून की एंट्री में बस कुछ ही दिन हैं। खबर मिल रही है कि मई के अंतिम सप्ताह में मानसून की केरल में आमद हो सकती हैं। वहीं, उत्तर पश्चिम भारत के ज्यादातर राज्य गर्मी का सामना करेंगे। हालांकि, उत्तराखंड समेत कुछ राज्यों में बारिश के आसार हैं। इसके अलावा भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को कम से कम 10 राज्यों में बारिश की संभावनाएं जताई है।

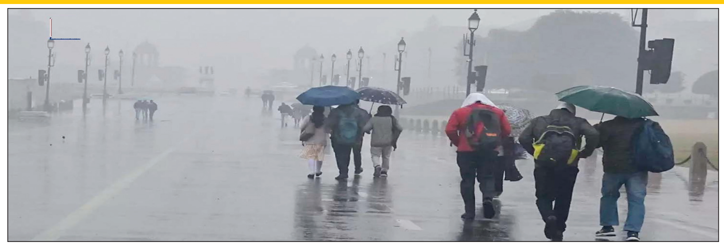

आईएमडी ने कहा है कि 19 मई से 22 मई के बीच जम्मू-कश्मीर, 20 से 22 मई के बीच उत्तराखंड में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं इस दौरान हवा की रफ्तार 30-40 किमी प्रतिघंटा पहुंच सकती है। साथ ही अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 19 से 24 मई, गंगीय पश्चिम बंगाल में 21 और 22 मई, ओडिशा में 19 मई और 22 मई से 24 मई को बारिश हो सकती है।

बिहार में 19 से 21 मई के बीच, झारखंड में 20 मई, ओडिशा में 20 और 21 मई को तेज हवा के साथ भारी बारिश की संभावना है। दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु, तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे में 19 मई को भारी बारिश की संभावना है। 19 से 22 मई के बीच असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश के आसार हैं। अरुणाचल प्रदेश में 22 मई को भारी बारिश हो सकती है। जबकि, असम और मेघालय में ऐसा ही मौसम 21 और 22 को बन सकता है। मौसम विभाग ने सोमवार को कहा था कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के 26 मई को केरल पहुंचने की संभावना है। विभाग ने यह भी कहा कि मॉनसून के आगमन की तारीख में चार दिन का अंतर देखने को मिल सकता है। अगले पांच दिनों में केरल और माहे के कुछ हिस्सों में बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक ऐसा दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो सकता है, जिससे केरल, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और दक्षिण लक्षद्वीप से सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में निम्न वायु दाब का क्षेत्र बन गया है।

आईएमडी के मुताबिक दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और कन्याकुमारी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक यह दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों, अंडमान सागर के अधिकांश भाग, अंडमान निकोबार द्वीप समूह और पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में भी आगे बढ़ चुका है।

सडक़ों पर प्रदर्शन करने वाले युवाओं को सीजेआई सूर्यकांत की नसीहत, आंदोलन से उनका करियर हो सकता है बर्बाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई सूर्यकांत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एक बार फिर देश के युवाओं को लेकर टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कहा कि किसी को भी धमकी नहीं देनी चाहिए और ना ही कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगाडऩी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है लेकिन आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करना उचित नहीं है। कोर्ट ने यह टिप्पणी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण से जुड़ी एक याचिका की सुनवाई के दौरान की। एक सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने इस दावे पर प्रतिक्रिया दी कि सडक़ों पर प्रदर्शन करने वाले युवाओं के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं और इससे उनका करियर बर्बाद हो सकता है। सीजेआई ने कहा कि उन्हें धमकी नहीं देनी चाहिए और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, कानून के तहत जो अनुमति है, वह किया जा सकता है। लेकिन सडक़ों पर आकर आम लोगों के लिए परेशानी पैदा नहीं करनी चाहिए।

ऋषिकेश में उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन कोच पटरी से उतरे, टला बड़ा हादसा

देहरादून (एजेंसी)। ऋषिकेश में सोमवार रात उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे शंटिंग के दौरान पटरी से उतर गए। योगनगरी रेलवे स्टेशन पर हुई घटना में, जब इंजन शंटिंग लाइन के अंत में लगे बफर से टकराया, तब ट्रेन के डिब्बों पर अत्यधिक दबाव पड़ गया। हालांकि, ट्रेन खाली होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, शाम करीब 6 बजे योगनगरी स्टेशन पहुंची यह ट्रेन मंगलवार सुबह 6:15 बजे वापस रवाना होनी थी। इसकाराण रात में लगभग 9:42 बजे प्लेटफॉर्म से खांड गांव स्थित शंटिंग लाइन पर ले जाया जा रहा था। तभी, इंजन तेज गति से या अनियंत्रित होकर डेड एंड पर लगे बफर से टकरा गया। इस जोरदार टक्कर के कारण पूरी ट्रेन झटके के साथ रुक गई और डिब्बों पर पड़े भीषण दबाव से एक बोगी ट्रैक से पूरी तरह बाहर निकल गई, जबकि दूसरी बीच से मुड़कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कुल मिलाकर तीन डिब्बे प्रभावित हुए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया और लोग तुरंत घरों से बाहर निकल आए। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी, इंजीनियरिंग टीम और पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत ट्रैक को दुरुस्त करने और क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने का काम शुरू किया, जो देर रात तक जारी रहा। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा होने के कारण स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को अतिरिक्त प्रयास करने पड़े। प्रारंभिक तौर पर इस दुर्घटना का कारण तकनीकी गड़बड़ी, अत्यधिक बल का प्रयोग या फिर शंटिंग प्रक्रिया में लापरवाही को माना जा रहा है। रेलवे की उच्चस्तरीय तकनीकी टीम पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मंदिरों के पास रखे सोने के मॉनेटाइजेशन की कोई योजना नहीं : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने उन रिपोर्टों और सोशल मीडिया दावों को पूरी तरह गलत, भ्रामक और आधारहीन बताया है, जिसमें दावा हुआ था कि केंद्र सरकार मंदिरों, ट्रस्टों और धार्मिक संस्थानों के लिए गोल्ड मॉनेटाइजेशन स्कीम शुरू करने पर विचार कर रही है। वित्त मंत्रालय ने साफ कहा हैं कि केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव न मंजूर किया गया है और न ही इस तरह की कोई योजना विचाराधीन है। कुछ रिपोर्टों में बताया गया था कि मंदिरों के स्वर्ण भंडार के बदले गोल्ड बॉन्ड जारी किए जाएंगे या इन भंडारों को 'स्ट्रैटेजिक गोल्ड रिजर्व ऑफ इंडिया' का हिस्सा बनाया जाएगा, लेकिन केंद्र सरकार ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज किया है। मोदी सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे बिना पुष्टि वाली खबरों और अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें साझा करें। साथ ही कहा गया है कि नीतिगत फैसलों से जुड़ी सही जानकारी केवल आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों और सरकारी स्रोतों से ही प्राप्त करें। इस बीच, प्रधानमंत्री से जुड़े एक कथित बयान को लेकर भी चर्चा रही, जिसमें नागरिकों से ऊर्जा और संसाधन बचत जैसे सुझावों की बात कही गई थी। हालांकि, इसतरह के किसी भी सार्वजनिक संदेश या संदर्भ को लेकर आधिकारिक पुष्टि ही अंतिम मानी जाती है।

कनाडा से लौटे आशिक ने की मशहूर पंजाबी सिंगर की हत्या, नीलो नहर से मिला शव

-पुलिस की लापरवाही से आरोपी सुखविंदर कनाडा फरार

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे संगीत जगत को झकझोर दिया है। मशहूर पंजाबी सिंगर इंदर कौर उर्फ यशइंदर कौर, जो छह दिन पहले गन प्वाइंट पर अगवा की गई थीं, कि निर्ममता से हत्या कर दी गई है। उनका शव नीलो नहर से बरामद हुआ है, जिसकी शिनाख्त के बाद परिवार में मातम छा गया है। सिंगर के शव को सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। इस खौफनाक मर्डर मिस्ट्री की कहानी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है, जिसमें प्यार, ज़िद और खूनी अंजाम शामिल है। मृतका के भाई जोतइंदर सिंह ने बताया कि इंदर कौर की दोस्ती मोगा के गांव भलूर निवासी सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा से थी। जोतइंदर सिंह का आरोप है कि सुखविंदर उनकी बहन से जबरन शादी करना चाहता था, लेकिन इंदर कौर ने इस शादी से साफ इंकार किया था। बस इसी शादी से इंकार की रंजिश को दिल में पाले सुखविंदर सिंह ने एक खौफनाक साजिश रच डाली। आरोपी सुखविंदर, अपनी इस ज़िद को पूरा करने और इंदर कौर को रास्ते से हटाने के लिए खास तौर पर कनाडा से पंजाब आया था। 13 मई की रात इंदर कौर बाजार से राशन लेने निकली थीं, तभी सुखविंदर ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन्हें घेरा और पिस्तौल की नोक पर अगवा किया। इसके बाद आरोपियों ने बेरहमी से इंदर कौर की जान ले ली और शव को छुपाने के लिए नीलो नहर में फेंक दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपी सुखविंदर सिंह पुलिस को चकमा देकर वापस कनाडा फरार हो गया है।

पूर्व जज वर्मा के इस्तीफे के बाद भी नहीं थमी मुश्किलें, समिति ने जांच रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष बिरला को सौंपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा की मुश्किलें इस्तीफे के बाद भी कम होती नजर नहीं आ रही हैं। उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच कर रही तीन सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी है। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए यह रिपोर्ट सोमवार को सौंपी गई है। रिपोर्ट को जल्द ही संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। दरअसल, पिछले साल न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास से जले हुए नोटों की गड्डियां बरामद होने के बाद मामला सुर्खियों में आया था। इस घटना के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव से संबंधित नोटिस दिए थे, जिन्हें स्वीकार कर जांच प्रक्रिया शुरू की गई थी। मामले की जांच के लिए गठित समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर तथा कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी.वी. आचार्य शामिल थे। समिति का पुनर्गठन 25 फरवरी को किया गया था। इसी बीच, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने 10 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। उनके इस्तीफे के बाद महाभियोग की कार्यवाही तकनीकी रूप से निष्प्रभावी हो गई, लेकिन जांच प्रक्रिया जारी रही। गौरतलब है कि दिल्ली आवास से कथित रूप से जले हुए नोट मिलने की घटना के बाद से न्यायमूर्ति वर्मा लगातार विवादों और आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं। अब जांच रिपोर्ट संसद में पेश होने के बाद इस मामले पर राजनीतिक और कानूनी बहस तेज होने की संभावना है।

मेरी गैरमौजूदगी को चुप्पी न समझा जाए, मैं जल्द लौटूंगी अपने देश

-बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की तारिक रहमान को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेरी गैरमौजूदगी को चुप्पी न समझा जाए। मैं जल्द अपने देश वापस लौटूंगी। यह कहना है बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि लगातार अपने देश और लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष कर रही हैं। फिलहाल वो भारत में अपना समय बिता रहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने कहा कि 17 मई 1981 उनके जीवन का बेहद भावुक दिन था, जब वह छह साल के निर्वासन के बाद भारत से बांग्लादेश लौटी थीं। उन्होंने कहा कि उस समय भी उनके खिलाफ साजिशें हुई थीं, मुकदमे दर्ज किए गए थे और जान का खतरा था, लेकिन जनता के प्यार और समर्थन ने उन्हें वापस लौटने की ताकत दी।

उन्होंने कहा कि इस बार उनकी वापसी किसी तय तारीख पर निर्भर नहीं है, बल्कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक माहौल, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकारों और कानून के शासन की बहाली पर निर्भर करेगी। हसीना ने दावा किया कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि 19 बार हत्या की कोशिशों से मैं बच चुकी हूं। जब तक अल्लाह ने मुझे जिंदा रखा है, मैं बहुत जल्द बांग्लादेश की धरती पर लौटूंगी।

पूर्व पीएम हसीना ने कहा कि अवामी लीग कोई ऐसी पार्टी नहीं है, जिसे बंद किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह जनता की पार्टी है, आम लोगों की पार्टी है और इसे कागज पर लिखे प्रतिबंध से खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सत्ता अवामी लीग से डरता है, क्योंकि अगर पार्टी को लोकतांत्रिक तरीके से काम करने दिया गया तो सरकार की 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियां' उजागर हो जाएंगी। उन्होंने साफ कहा कि पार्टी को तोड़ने की साजिशें सफल नहीं होंगी और सुधार का फैसला पार्टी के आंतरिक लोकतांत्रिक ढांचे के तहत ही होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने इंटरव्यू में बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश फिर से 2001 से 2006 के उस दौर की ओर बढ़ सकता है, जब कट्टरपंथ और उग्रवादी ताकतें मजबूत हुई थीं। हसीना ने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों के खिलाफ 'खामोश राजनीतिक नरसंहार' चलाया गया। उनके मुताबिक करीब 600 नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या की गई, जबकि डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को झूठे मामलों में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पार्टी नेताओं के घरों और कारोबारों को निशाना बनाया गया और समर्थकों में डर का माहौल पैदा किया गया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बोले- एक्शन लेने के बजाए मोदीजी विदेश चले गए

आने वाला है आर्थिक तूफान, आम जनता होगी तबाह

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिन के यूपी दौरे पर हैं। मंगलवार को रायबरेली में उन्होंने कहा कि आर्थिक तूफान अब आने वाला है। पीएम मोदी ने अदाणी और अंबानी वाला जो आर्थिक ढांचा बनाया है, वह खड़ा नहीं हो पाएगा, बल्कि पूरा टूटेगा। दुख की बात है कि इसका नुकसान आम जनता को होगा। राहुल गांधी ने कहा कि यूपी की जनता को शॉक लगेगा। आर्थिक शॉक आ रहा है। वह अदाणी, अंबानी या पीएम मोदी को नहीं लगेगा। वह यूपी के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन लेने की बजाए प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि विदेश यात्रा पर मत जाइए, जबकि प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर काट रहे हैं।

राहुल ने कहा कि हम आपके साथ खड़े हैं। जहां भी आप जाएंगे, मुझे बुला लीजिए, मैं आपके साथ रहूंगा। मैं जनता के साथ खड़ा हूं, जनता के साथ दिखाई देता हूं और जनता से प्यार करता हूं। आप देख लीजिए, देश के तमाम बड़े नेता मोदी जी, अमित शाह जी, गडकरी सभी अंबानी जी की के घर शादी में गए थे। राहुल गांधी वहां कभी नहीं जाएंगे। मैं यह संदेश दे रहा था कि मैं भी आप लोगों के बीच आना चाहता हूं, आपके घरों में आना चाहता हूं। आपने मेरा समर्थन किया, आपने बारात घर की मांग की थी, हमने आपको बारात घर भी दे दिया। अगली बार जब यहां शादी होगी तो मुझे जरूर बुलाइए, मैं जरूर आऊंगा। हमारा रिश्ता प्यार का है, दिल का रिश्ता है, परिवार जैसा रिश्ता है। जनता मेरे लिए माता-पिता, दादी, बहन और भाई जैसी है।

...और खुद विदेश चले गए

राहुल ने कहा- नरेंद्र मोदी कहते है कि सोना मत खरीदो, इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदो, विदेश मत जाओ। इतना कहने के बाद नरेंद्र मोदी विदेश चले जाते हैं। दुख की बात है कि अब जबरदस्त आर्थिक तूफान आने वाला है, जिसको कोई रोक नहीं सकता। ऐसा आर्थिक तूफान आने वाला है, जो आपने हमने कभी जिंदगी में नहीं देखा होगा। इसकी चोट किसको लगेगी। अंबानी-अदाणी अपने महलों में बैठे रहेंगे। उनके महलों में चारों ओर सिक्योरिटी होगी। हिंदुस्तान के मजदूर, युवाओं, छोटे व्यापारियों को चोट लगेगी। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने आपसे जो वादा किया था, वह पूरा किया। देश की बात करते हुए राहुल ने कहा कि जनता का पैसा, मजदूरों का पैसा, किसानों का पैसा, पीएम नरेंद्र मोदी ने अंबानी और अदाणी को दे दिया। उन्होंने छोटे व्यापारियों से पैसा खींचकर अपने मित्रों को दे दिया।

अखिलेश का ऐलान, यूपी में कांग्रेस के साथ गठबंधन जारी रहेगा

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भविष्य के चुनावों में सहयोगी दलों के साथ गठबंधन जारी रहेगा और पार्टी का मूल मंत्र 'सीटें नहीं, जीत' होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ संयुक्त प्रचार के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी गठबंधन धर्म निभाने में अनुभवी है और सहयोगियों के हित का ध्यान रखती है। सपा मुखिया ने कहा कि हमारी पार्टी ने कई गठबंधन किए हैं। हमारे पास गठबंधन का अनुभव है। समाजवादी पार्टी ने हमेशा अपने सहयोगियों के लिए लाभ सुनिश्चित किया है। हम लोगों ने कभी किसी को धोखा नहीं दिया है। आज जो गठबंधन है, वहां आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में गठबंधन की चर्चा सीटों के लिए सौदेबाजी के इर्द-गिर्द नहीं बल्कि चुनावी सफलता सुनिश्चित करने के इर्द-गिर्द घूमेगी। अखिलेश ने कहा, गठबंधन में सीटों का सवाल नहीं होगा। लोकसभा चुनाव के दौरान भी मैंने कहा था कि मुद्दा सीटों का नहीं है, मुद्दा जीत का है। यही फॉर्मूला फिर काम करेगा। सवाल सीटों का नहीं होगा, सवाल जीत का होगा।

सीएम की पत्नी पर टिप्पणी: खेड़ा के बाद अब सुरजेवाला पर शिकंजा

-असम की क्राइम ब्रांच ने कांग्रेस नेता को समन भेज पूछताछ के लिए बुलाया

डिसपुर (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंता विश्वा सरमा की पत्नी पर की गई कथित टिप्पणी से जुड़ा राजनीतिक विवाद थम नहीं रहा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बाद अब असम पुलिस ने कांग्रेस के एक और वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला पर शिकंजा कसा है। मामले की जांच कर रही असम पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सुरजेवाला को समन जारी किया है।

सूत्रों के मुताबिक क्राइम ब्रांच ने सुरजेवाला को 23 मई को गुवाहाटी में जांच अधिकारियों के सामने हाजिर होने का निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि इस माह पवन खेड़ा से हुई कई घंटों की पूछताछ में जो बातें सामने आईं, उसके आधार पर सुरजेवाला को यह समन भेजा गया है। इस घटनाक्रम से असम में सत्तारूढ़ बीजेपी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक तनातनी और तेज हो गई है।

बता दें यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ था जब कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम के सीएम हिमंता विश्वा सरमा की पत्नी को लेकर कथित तौर पर कुछ विवादास्पद टिप्पणियां की थीं। इन बयानों के बाद असम में एक शिकायत दर्ज कराई गई। इसके आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर पवन खेड़ा को पूछताछ के लिए गुवाहाटी बुलाया था। इस माह खेड़ा क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए थे, जहां उनसे करीब 8 घंटे तक पूछताछ की गई थी। पूछताछ के बाद हालांकि पवन खेड़ा ने जांच को लेकर कोई विस्तृत टिप्पणी नहीं की, लेकिन यह जरूर साफ किया कि कांग्रेस असम की बीजेपी सरकार के खिलाफ अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखेगी।

इस मामले ने अब राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोर ली हैं। जांच अधिकारी अब इस विवाद से जुड़े अन्य कथित बयानों और सोशल मीडिया नैरेटिव की भी गहराई से पड़ताल कर रहे हैं। जांचकर्ताओं ने पहले ही इस बात के संकेत दिए थे कि मामले की तह तक जाने के लिए कांग्रेस के अन्य नेताओं से भी पूछताछ की जा सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक रणदीप सुरजेवाला को औपचारिक तौर पर समन मिलने के बाद पूछताछ के अगले दौर से पहले ही असम का सियासी पारा चढ़ने की उम्मीद है। कांग्रेस लगातार इस पूरी पुलिस जांच को राजनीति से प्रेरित बता रही है। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी पुलिस की इस कार्रवाई का बचाव कर रही है। बीजेपी का साफ कहना है कि यह मामला सार्वजनिक विमर्श में गरिमा और जवाबदेही से जुड़ा हुआ है।

आप नेता सिंगला की गिरफ्तारी पर केजरीवाल ने बीजेपी पर लगाए गंभीर आरोप

-ईडी की कार्रवाई राजनीतिक बदले की भावना

-बीजेपी ने कहा- जांच निष्पक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित बैंक लोन धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला को दिल्ली और गोवा में छापेमारी के बाद गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए, जिसके आधार पर गिरफ्तारी की गई। वहीं इस गिरफ्तारी को पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक बदले की भावना से की गई कार्रवाई करार दिया है।

गौरतलब है कि दीपक सिंगला 2024 विधानसभा चुनाव में दिल्ली की विश्वास नगर सीट से आप उम्मीदवार रह चुके हैं। ईडी का कहना है कि यह मामला बैंक लोन फ्रॉड और उससे जुड़े धन शोधन नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। एजेंसी इससे पहले भी 2024 में उनके ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। फिलहाल सिंगला से पूछताछ जारी है और उनके वित्तीय लेनदेन की गहन जांच की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद दिल्ली की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। आप ने इसे पूरी तरह से राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दीपक सिंगला को किसी गलत काम के कारण नहीं, बल्कि राजनीतिक कारणों से गिरफ्तार किया गया है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सिंगला को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का विरोध किया और पार्टी में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने सिंगला को 'बहादुर' बताते हुए कहा कि वह देश के लिए लड़ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, बीजेपी नेताओं का कहना है कि जांच एजेंसियां केवल सबूतों के आधार पर कार्रवाई कर रही हैं और इस मामले को राजनीतिक रंग देना उचित नहीं है। उनका कहना है कि कानून अपना काम कर रहा है और दोषी पाए जाने पर ही कार्रवाई की जाती है।

दुनिया के सबसे प्रदूषित और समृद्ध शहरों में भारत के 138 शहर शामिल

-नेचर सिटीज अध्ययन में खुलासा—आर्थिक विकास के साथ बढ़ रहा प्रदूषण

-स्वच्छ शहरीकरण में चीन समेत कई देश आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के तेजी से विकसित हो रहे शहरों में प्रदूषण और आर्थिक समृद्धि के बीच गहरा संबंध सामने आया है। भारत के अनेक बड़े शहर आर्थिक विकास के साथ-साथ प्रदूषण की गंभीर चुनौती का भी सामना कर रहे हैं। अध्ययन में बताया गया है कि दुनिया के 390 ऐसे शहरों में, जिन्हें ÷सबसे अधिक प्रदूषित और समृद्ध÷ श्रेणी में रखा गया, उनमें 138 शहर भारत के हैं। यह कुल संख्या का लगभग 35.4 प्रतिशत है।

शोधकर्ताओं ने 2019 से 2024 के बीच दुनिया के 5,435 शहरों का अध्ययन किया। इसके लिए उपग्रह आधारित नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, डेटा और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमानों का उपयोग किया गया। अध्ययन के मुताबिक, भारत में शहरी विकास अब भी बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन आधारित परिवहन, उद्योग और बिजली उत्पादन पर निर्भर है, जिसके कारण आर्थिक प्रगति के साथ प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में स्वच्छ विकास की दिशा में कुछ सकारात्मक संकेत जरूर दिखाई दिए हैं, लेकिन अधिकांश भारतीय शहर अब भी प्रदूषण कम करने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए हैं। इसके विपरीत चीन और कई अन्य देशों ने स्वच्छ ऊर्जा और टिकाऊ शहरीकरण के जरिए प्रदूषण नियंत्रण में उल्लेखनीय प्रगति की है।

आर्थिक दृष्टि से भारत के प्रमुख शहरों में मुंबई सबसे आगे है। 'हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025' के अनुसार, मुंबई में 91 अरबपति रहते हैं, जिससे यह देश का सबसे अमीर शहर बना हुआ है। दिल्ली-एनसीआर करीब 26.33 लाख करोड़ रुपये की जीडीपी के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं कोलकाता पूर्वी भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र माना जाता है।

आईटी और स्टार्टअप हब के रूप में पहचान बना चुका बेंगलुरु लगभग 9.86 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था के साथ देश की तकनीकी राजधानी बना हुआ है। वहीं चेन्नई, जिसे 'ऑटो कैपिटल ऑफ इंडिया' कहा जाता है, करीब 7.05 लाख करोड़ रुपये की जीडीपी के साथ ऑटोमोबाइल, आईटी और हेल्थकेयर क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को आर्थिक विकास के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन और हरित तकनीकों को तेजी से अपनाने की जरूरत है, ताकि आने वाले वर्षों में शहरी प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

इंसाफ के लिए ब्रिटेन पहुंचा हर्षिता ब्रेला का परिवार ;

लंदन, एजेंसी। दिल्ली की हर्षिता ब्रेला (24) के परिवार ने ब्रिटेन पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। नवंबर 2024 में हर्षिता का शव इल्फर्ड में एक कार की डिक्की में मिला था। पति और मुख्य आरोपी पंकज लांबा हत्या के बाद से ही फरार है। हर्षिता के पिता सतबीर सिंह, मां सुदेश कुमारी और बहन सोनिया डबास कोर्बी उसके घर पहुंचे, जहां उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। सोनिया ने कहा, वे हर कीमत पर न्याय चाहते हैं ताकि फिर किसी और बेटी के साथ ऐसी त्रासदी न हो।

चीन, अमेरिका और यूएई ने दुबई से 276 ठगों को किया गिरफ्तार

दुबई, एजेंसी। चीन, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर दुबई में टेलीकॉम धोखाधड़ी के 276 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। चीनी सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने रविवार को यह जानकारी दी। तीनों देशों के बीच इस तरह का यह पहला संयुक्त ऑपरेशन है। इस कार्रवाई में धोखाधड़ी के नौ अड्डों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ये गिरोह पीड़ितों को फर्जी क्रिप्टोकरेंसी निवेश के झांसे में रखकर ठगी करते थे।

श्रीलंकन एयरलाइंस के भारतीय कर्मी पर 2.2 करोड़ गबन का आरोप

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकन एयरलाइंस ने अपने चेन्नई कार्यालय में तैनात कुछ भारतीय कर्मचारियों पर 2.2 करोड़ भारतीय रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। एयरलाइन ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि यह हेरफेर इनवॉइस, भुगतान विवरण और हस्ताक्षरों में जालसाजी के जरिये किया गया। विमानन कंपनी के अनुसार, वित्त विभाग में कार्यरत इन कर्मचारियों ने एक लंबी अवधि में इस घोटाले को अंजाम दिया।

ताइवान की आजादी का मतलब है कि वह चीन का हिस्सा नहीं : लाई

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि ताइवान की आजादी का अर्थ है कि यह द्वीप न तो बीजिंग का है और न ही उसके अधीन है। केवल ताइवानी लोग ही अपने भविष्य का फैसला कर सकते हैं। लाई की ये टिप्पणियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच बीजिंग में हुए शिखर सम्मेलन के कुछ दिनों बाद आई हैं। इस शिखर सम्मेलन ने ताइवान में द्वीप को अमेरिकी समर्थन को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

ट्रंप की बॉलरूम परियोजना के प्रस्ताव पर अमेरिकी सीनेट से लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी की व्हाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ाने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए बॉलरूम परियोजना के लिए एक अरब डॉलर खर्च करने के प्रस्ताव को तगड़ा झटका लगा है। सांसदों के फैसले के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था के लिए फंडिंग का यह प्रस्ताव प्रक्रियागत नियमों पर खरा नहीं उतरा है। रिपब्लिकन इसे अगले तीन वर्षों के लिए आव्रजन प्रवर्तन एजेंसियों को वित्तपोषित करने वाले एक बजट विधेयक के हिस्से के तौर पर शामिल करना चाहते थे। फैसले में कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप के ईस्ट विंग के नवीनीकरण जैसी बड़ी और जटिल परियोजना का दायरा बेहद व्यापक होने से इसे बजट विधेयक में शामिल नहीं किया जा सकता है। दरअसल, इसका इस्तेमाल रिपब्लिकन बगैर डेमोक्रेट्स के समर्थन के विधेयक पास करने के लिए कर रहे हैं, क्योंकि इस विधेयक को पारित करने के लिए किसी भी डेमोक्रेटिक वोट की जरूरत नहीं होती।

अपने एफ-35 लड़ाकू विमानों को और उन्नत करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एफ-35 लाइटनिंग 2 बेड़े के लिए लगभग एक अरब डॉलर का उन्नयन कार्यक्रम शुरू किया है। यह मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक युद्ध आधुनिकीकरण और संयुक्त स्ट्राइक फाइटर के अमेरिकी सेना और अन्य विदेशी ऑपरेटरों द्वारा संचालित सैकड़ों विमानों में उन्नत युद्ध क्षमता संवर्द्धन पर केंद्रित है। लॉकहीड मार्टिन को एफ-35 लड़ाकू विमानों के 432 संशोधन किटों के उत्पादन और वितरण के लिए 99.11 करोड़ डॉलर का ठेका दिया गया है।

अमेरिका में बड़ा हादसा: एयर शो के दौरान आसमान में टकराए दो लड़ाकू विमान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इदाहो में बड़ा हादसा हो गया है। यहां 'माउंटेन होम एयर फोर्स बेस' पर चल रहे एक बड़े एयर शो के दौरान दो अमेरिकी लड़ाकू विमान आपस में टकरा गए। हवा में टकराते ही दोनों जेट्स क्रैश हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमानों के परखच्चे उड़ गए और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। हालांकि विमान में सवार पायलटों के सुरक्षित होने की जानकारी है। हादसे के बाद पूरे एयर बेस को तुरंत बंद कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा स्थानीय समयानुसार रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। इस समय बेस पर 'गनफाइटर स्काइज एयर शो' चल रहा था। दुर्घटनाग्रस्त होने वाले दोनों विमान अमेरिकी नौसेना के एडवांस्ड ई/ए-18जी ग्रोवलर फाइटर जेट थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों विमान एयर बेस से करीब दो मील दूर जाकर गिरे, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

कैसे बचे पायलट : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि हवा में टकराते ही दोनों विमान आग का गोला बन जाते हैं। लेकिन राहत की बात यह रही कि विमानों में मौजूद चारों क्रू मेंबर्स समय रहते सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। उन्हें आसमान से पैराशूट के जरिए सुरक्षित नीचे उतरते देखा गया। अमेरिकी नौसेना ने भी बाद में पुष्टि की कि चारों क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

8 साल बाद हुआ था शो : रिपोर्ट्स की मानें तो इस भव्य एयर शो का आयोजन पूरे 8 साल बाद किया जा रहा था। इसे देखने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ जुटी थी। आयोजकों ने करीब दो साल तक इस शो की तैयारी की थी, लेकिन इस खौफनाक हादसे के बाद रविवार को होने वाले सभी आगामी इवेंट्स को रद्द कर दिया गया। वहीं अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

पहले भी हुए हैं हादसे : माउंटेन होम एयर बेस पर पहले भी कई हादसे हुए हैं और इस घटना से उनकी यादें ताजा कर दी हैं। 2018 में यहां एक हैंग ग्लाइडर रनवे पर क्रैश होने से पायलट की मौत हो गई थी। इससे पहले 2003 में यहां एक 'थंडरबर्ड्स जेट' भी क्रैश हो गया था। हालांकि तब पायलट की जान बच गई थी।

हादसे के तुरंत बाद सैन्य अड्डे पर क्या बड़े कदम उठाए गए : इस भयंकर हादसे के होते ही पूरे सैन्य अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। खतरे को भांपते हुए 'माउंटेन होम एयर फोर्स बेस' को तुरंत पूरी तरह से बंद (लॉक्ड डाउन) कर दिया गया, ताकि कोई भी अनजान व्यक्ति अंदर या बाहर न जा सके। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल, दमकल गाड़ियां और बचाव कर्मी बिना एक भी पल गंवाए घटना वाली जगह पर पहुंच गए। सेना ने तुरंत अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक आधिकारिक बयान जारी करके बताया कि बचाव दल घटना स्थल पर मौजूद है। इसके साथ ही इस बात की बहुत ही बारीकी से जांच शुरू कर दी गई है कि आखिर इतनी बड़ी दुर्घटना कैसे और किसकी गलती से हुई।

विमानों के पायलट और क्रू मेंबर फिलहाल किस हाल में हैं : हवा में हुए इस खौफनाक मंजर को देखकर एयर शो में मौजूद हर एक इंसान बुरी तरह डर गया था। लेकिन सभी के लिए राहत की सबसे बड़ी बात यह है कि सभी पायलट पूरी तरह से ठीक हैं। एयर बेस पर तुरंत लाउडस्पीकर के जरिए यह आधिकारिक घोषणा करके डरे हुए लोगों को बताया गया कि हादसे में शामिल सभी सैनिक पैराशूट की मदद से सुरक्षित जमीन पर आ गए हैं हालांकि, सेना के अधिकारियों ने तुरंत इस बात की पूरी जानकारी मीडिया को नहीं दी कि पैराशूट से कूदने के दौरान किसी को कोई चोट लगी है या नहीं, या फिर दोनों अत्याधुनिक विमानों के आपस में टकराने की असली वजह क्या थी।

हादसे के बाद एयर शो और आम लोगों को लेकर पुलिस ने क्या आदेश दिया : इस डरावने और जानलेवा हादसे के बाद कार्यक्रम आयोजित करने वालों ने कोई भी खतरा न लेते हुए, बचे हुए पूरे एयर शो को तुरंत रद्द कर दिया। माउंटेन होम पुलिस ने भी आसपास रहने वाले सभी स्थानीय लोगों से यह सख्त अपील की है कि वे एयर बेस की तरफ बिल्कुल यात्रा न करें। पुलिस ने कहा कि जब तक सेना का बचाव और राहत का काम चल रहा है, तब तक आम लोगों को इस इलाके से दूर ही रहना चाहिए। आपको बता दें कि यह मिलिट्री एयर बेस इडाहो के बोइस शहर से लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) दक्षिण-पूर्व की दिशा में स्थित है।

'ईरान को मदद नहीं देगा चीन, उन्होंने भरोसा दिया है', अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने दावा किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से यह आश्वासन लिया है कि वे ईरान की मदद नहीं करेंगे। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने चीन से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए सीधे हस्तक्षेप की मांग नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति का मुख्य फोकस इस बात पर था कि चीन ईरान को किसी तरह की मदद न दे। इस पर चीन की प्रतिबद्धता हमें मिली है और उन्होंने इसकी पुष्टि भी की है।'

'चीन भी होर्मुज जलडमरूमध्य खोलना चाहता है': ग्रीर ने कहा कि चीन की भी होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने में स्पष्ट रुचि है, लेकिन वे सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं होना चाहता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति चीन की सैन्य मदद नहीं चाहते। अमेरिका बस ये सुनिश्चित करना चाहता है कि चीन, अमेरिका द्वारा उठाए जा रहे कदमों में बाधा न बने।

ट्रंप और जिनपिंग के बीच टैरिफ को लेकर नहीं हुई कोई बातचीत : पिछले साल अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध जारी रहा, लेकिन ट्रंप ने अमेरिका लौटते समय पत्रकारों से कहा कि उनकी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत में टैरिफ का मुद्दा नहीं उठा। इस पर ग्रीर ने कहा कि व्यापार वार्ता जरूर हुई, लेकिन शीर्ष नेताओं के स्तर पर नहीं हुई। ग्रीर ने कहा 'अमेरिका की तरफ से मैंने और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और हमारी टीम ने चीनी अधिकारियों से टैरिफ के कई मुद्दों पर बातचीत की। इसलिए राष्ट्राध्यक्षों के बीच इसे लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।'

बोर्ड ऑफ ट्रेड बनाने पर हो रहा विचार : ग्रीर ने बताया कि अमेरिका, चीन के साथ व्यापारिक नियम तय करने के लिए 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' बनाने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि चीन ने कई अमेरिकी मीट निर्यात इकाइयों से आयात फिर शुरू करने, कुछ बायोटेक व्यापार मामलों की समीक्षा करने और 200 बोइंग विमान खरीदने पर सहमति जताई है। हालांकि चीन ने अभी इन समझौतों की पुष्टि नहीं की है। ग्रीर ने कहा, 'कई ठोस कदम पहले ही शुरू हो चुके हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चीन के साथ हमारी रणनीतिक स्थिरता बनी हुई है।'

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना का बड़ा ऑपरेशन, 35 आतंकवादी ढेर, तीन सीनियर कमांडर गिरफ्तार

कराची, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में एक बड़े खुफिया अभियान को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में 35 आतंकवादियों को मार गिराया गया है और तीन हाई-प्रोफाइल वरिष्ठ कमांडरों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह अभियान मंगला जरघून क्षेत्र में चलाया गया। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार रात क्वेटा में मीडिया को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन 13 मई को शुरू हुआ था। पिछले चार दिनों में 35 आतंकवादी मारे गए हैं। रिंद ने कहा, यह अभियान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान में उसके प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ था। पकड़े गए तीनों कमांडर महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। यह कार्रवाई पहले पकड़े गए आतंकवादियों से मिली खुफिया जानकारी पर आधारित थी। सुरक्षा बलों ने मंगला जरघून घर क्षेत्र में कई आतंकवादी बेस कैंप भी नष्ट कर दिए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि प्रांत में अतिरिक्त अभियान भी चल रहे हैं। ये अभियान विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर आधारित हैं। इनका उद्देश्य इन आतंकवादी तत्वों के सूत्रधारों को पकड़ना है। साथ ही, उनके संचालकों और वित्तीय समर्थकों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। पाकिस्तान सेना ने इस नवीनतम आतंकवाद विरोधी अभियान पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। 12 मई बुधवार को बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक सफाई अभियान के दौरान पांच सैनिक मारे गए थे। इनमें एक मेजर भी शामिल था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, उस अभियान में कम से कम सात आतंकवादी भी मारे गए थे।

चीन में आया 5.2 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें तबाह हुईं; दो की मौत, कई लापता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिणी इलाके में सोमवार सुबह भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.2 रही। भूकंप के चलते कई इमारतों को भारी नुकसान हुआ है। अब तक भूकंप के चलते दो लोगों की मौत हुई है और एक लापता है। कई इमारतों को खाली कराया गया है। भूकंप के चलते कई इमारतें गिर गई हैं। राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है और तबाह इमारतों में लोगों की तलाश की जा रही है।

कई इमारतें तबाह, हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला गया : भूकंप के झटके चीन के लिउझोउ शहर में के नजदीक महसूस हुए, जिससे लोगों में डर फैल गया। प्रशासन ने सात हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है और आपात सेवा के कर्मचारी लगातार राहत और बचाव अभियान चलाए हुए हैं। कई लोगों को तबाह इमारतों में फंसे होने की आशंका है। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी के अनुसार, भूकंप के झटकों से कम से कम 13 इमारतें तबाह हुई हैं। जिसमें कई लोग घायल हुए हैं, लेकिन किसी के भी गंभीर घायल होने की खबर नहीं है। घायलों में से चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भूकंप से हुई तबाही के चलते दो लोगों की मौत हुई है। भूकंप के झटकों को देखते हुए इलाके में सार्वजनिक यातायात प्रभावित हुआ है। खासकर रेल यातायात को जांच के बाद ही बहाल किया जाएगा।

भूकंप से गंभीर नुकसान की खबर नहीं : भूकंप से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और पावर लाइंस, पानी की सप्लाई, गैस सेवाएं और रोड ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को प्रभावित इमारतों से दूर रहने की सलाह दी है।

7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया : चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक अब तक चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं. स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने करीब 7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया. हालांकि राहत की बात यह रही कि इलाके में बिजली, पानी, गैस सप्लाई और परिवहन सेवाएं सामान्य बनी हुई हैं।

रात में शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन : भूकंप के तुरंत बाद राहत और बचाव एजेंसियां सक्रिय हो गईं. रात करीब 2 बजे तक 51 फायर और रेस्क्यू वाहनों के साथ 315 से ज्यादा आपातकर्मी प्रभावित इलाके में पहुंच चुके थे. पुलिस, दमकल और मेडिकल टीमें लगातार मलबे में फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं. स्थानीय प्रशासन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जल्द से जल्द नुकसान और हताहतों का सही आंकड़ा जुटाया जाए और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाए. साथ ही आफ्टरशॉक्स पर भी नजर रखी जा रही है।

ईरान के खिलाफ फिर छिड़ेगी जंग ? नेतन्याहू और ट्रंप के बीच संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर चर्चा

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर ईरान को लेकर बातचीत हुई। इजरायल के सरकारी टीवी चैनल कान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं ने ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने की संभावना पर चर्चा की। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट में एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा गया कि अगर ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू होता है, तो अमेरिका और इजरायल मिलकर हमला कर सकते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। इस बैठक में उन सभी मोर्चों पर चर्चा हुई, जहां इजरायल इस समय संघर्ष कर रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब ट्रंप ने ईरान को लेकर सख्त चेतावनी दी है।

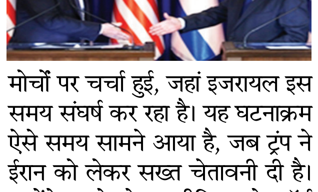

उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि 'ईरान के लिए समय तेजी से निकल रहा है। उन्हें जल्द फैसला लेना होगा, नहीं तो उनके पास कुछ भी नहीं बचेगा। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किए थे, जिसके बाद करीब 40 दिनों तक संघर्ष चला। बाद में 8 अप्रैल को ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी थी। युद्धविराम के बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच शांति वार्ता भी हुई थी। हालांकि, इन बातचीतों से कोई ठोस समझौता नहीं निकल सका। पिछले कुछ हफ्तों में पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए दोनों पक्षों ने संघर्ष खत्म करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान भी किया है। इस बीच ट्रंप ने फिर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान अमेरिका के साथ शांति समझौता नहीं करता, तो उसे 'बहुत बुरे हालात' का सामना करना पड़ेगा। फ्रांसीसी मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा, 'अगर ईरान समझौता नहीं करता, तो उसके लिए बहुत मुश्किल समय आने वाला है। उन्हें जल्द कोई डील कर लेनी चाहिए।' ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक एआई से बनाई गई तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह अमेरिकी नौसेना के एक एडमिरल के साथ तूफानी समुद्र के सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। तस्वीर पर लिखा था, 'तूफान से पहले का सन्नाटा।' इजरायली मीडिया के अनुसार, रविवार को ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान को लेकर बातचीत हुई थी। उसी दौरान नेतन्याहू अपने मंत्रिमंडल के साथ सुरक्षा बैठक भी कर रहे थे।

कनाडा में मिला पहला हंता वायरस संक्रमित मरीज, यात्री आइसोलेशन में; अलर्ट पर स्वास्थ्य एजेंसियां

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में हंता वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है। पब्लिक हेल्थ एजेंसी ऑफ कनाडा (पीएचएसी) ने पुष्टि की है कि ब्रिटिश कोलंबिया में आइसोलेशन में रखे गए एक क्रूज यात्री की रिपोर्ट हंता वायरस पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति के सैंपल को विनिपेग स्थित नेशनल माइक्रोबायोलॉजी लैबोरेटरी भेजा गया था, जहां जांच के बाद शनिवार को संक्रमण की पुष्टि हुई। वहीं संक्रमित यात्री के साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति की रिपोर्ट निगेटिव आई है। पीएचएसी ने कहा कि फिलहाल कनाडा में कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया है।

हालांकि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हाई-रिस्क लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि आम लोगों के लिए फिलहाल खतरा कम है। यह संक्रमण पोलर एक्सपीडिशन क्रूज शिप एमवी होंडियस पर फैला था। इस जहाज पर अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक हंता वायरस का इनक्यूबेशन पीरियड एक से आठ सप्ताह तक हो सकता है। ब्रिटिश कोलंबिया की प्रांतीय स्वास्थ्य अधिकारी बोनी हेनरी ने बताया कि संक्रमित यात्री में बुखार और सिरदर्द जैसे हल्के लक्षण दिखाई दिए थे। दो दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल मरीज को आइसोलेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

नीदरलैंड पहुंचेगा संक्रमित क्रूज शिप : इस बीच नीदरलैंड सरकार ने जानकारी दी है कि हंता वायरस से प्रभावित एमवी होंडियस अगले सोमवार को रॉटरडैम पोर्ट पहुंचेगा। जहाज के अधिकांश क्रू मेंबर्स को छह सप्ताह तक क्वारंटीन में रखा जाएगा। डच सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रॉटरडैम को शिपिंग से जुड़े संक्रामक रोगों से निपटने के लिए विशेष पोर्ट के रूप में चुना गया है। क्रूज शिप ऑपरेटर ओशनवाइड एक्सपीडिशन के मुताबिक फिलहाल जहाज पर 27 लोग मौजूद हैं। इनमें 25 क्रू सदस्य और दो मेडिकल स्टाफ शामिल हैं। जहाज पर मौजूद लोगों में फिलीपींस, नीदरलैंड, यूक्रेन, रूस और पोलैंड के नागरिक शामिल हैं। हंता वायरस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर वायरल संक्रमण है, जो आमतौर पर संक्रमित चूहों और कृन्तकों के संपर्क में आने से फैलता है। इसके शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, शरीर दर्द और सांस लेने में तकलीफ शामिल हो सकती है।

तेल-एलपीजी के बाद अब इंटरनेट पर संकट? होर्मुज में किस नए हथियार के इस्तेमाल की तैयारी में ईरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया युद्ध के बाद से भारत समेत दुनिया के कई देशों में ईंधन संकट पैदा हो गया है। सप्लाई चेन ठप होने की वजह से आयात पर निर्भर देशों में एलपीजी से लेकर पेट्रोल डीजल तक के लिए हाहाकार मचा हुआ है। युद्ध शुरू हुए 2 महीने से ज्यादा का समय बीत गया है लेकिन रु और ईरान पीछे हटने को तैयार नहीं है जिसकी वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अब भी बंद पड़ा है। इस बीच ईरान अब एक ऐसे हथियार का इस्तेमाल कर सकता है, जिससे कई देशों में इंटरनेट ठप पड़ सकता है। होर्मुज को ब्लॉक करने के बाद, ईरान ने हाल ही में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स को हथियार बनाने की धमकी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के नीचे बिछी उन केबल्स को निशाना बना सकता है, जिनके जरिए खाड़ी देशों, एशिया और यूरोप के बीच डेटा ट्रांसफर होता है। वहीं ईरान दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों से इन केबल्स पर 'टोल टैक्स' वसूलने की तैयारी में है। ईरानी रेवलूशनरी गार्ड्स से जुड़े मीडिया और सैन्य प्रवक्ता इब्राहिम जोलफघारी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसकी धमकी दी। उन्होंने कहा, 'हम इंटरनेट केबल्स पर शुल्क लगाएंगे।

क्या है ईरान का प्लान : इस प्लान के मुताबिक ईरान गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों से इन केबल्स के इस्तेमाल के लिए भारी-भरकम फीस वसूलेगा। वहीं इन अंडरसी केबल्स की मरम्मत और रखरखाव का काम विशेष रूप से केवल ईरानी कंपनियों को ही दिया जाएगा। ईरान का कहना है कि अगर टेक कंपनियों ने ईरानी कानून को नहीं माना, तो इस रूट के इंटरनेट ट्रैफिक को ठप किया जा सकता है।

होर्मुज के नीचे इंटरनेट लाइफलाइन : जानकारी के मुताबिक इस समुद्री रास्ते के नीचे कई अहम केबल सिस्टम सक्रिय हैं।

एएई-1 (एशिया-अफ्रीका-यूरोप 1): यह नेटवर्क दक्षिण-पूर्व एशिया को मिस्र के रास्ते यूरोप से जोड़ता है।

फाल्कन नेटवर्क: यह भारत और श्रीलंका को खाड़ी देशों, सूडान और मिस्र से जोड़ता है।

गल्फ ब्रिज इंटरनेशनल: यह पूरे खाड़ी क्षेत्र को आपस में जोड़ता है।

क्यों इतने महत्वपूर्ण हैं ये सबसी केबल्स : संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी 'इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन' के अनुसार, दुनिया का 99 फीसदी इंटरनेशनल इंटरनेट ट्रैफिक इन्हीं सबसी फाइबर-ऑप्टिक केबल्स के जरिए चलता है। ये केबल्स यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों की डिजिटल लाइफलाइन हैं, जिन्होंने हाल के सालों में द्व और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में अरबों डॉलर का निवेश किया है। जियो पोलिटिकल विश्लेषक माशा कोटकिन के मुताबिक, अगर इन केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो इंटरनेट की स्पीड कम हो सकती है, ऑनलाइन बैंकिंग ठप हो जाएगी और वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि केबल्स का फिलहाल कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं है। टेलीकॉम रिसर्च फर्म 'टेलीग्राफी' के अनुसार, सैटेलाइट्स कभी भी सबसी केबल्स जितना भारी डेटा लोड नहीं संभाल सकते। एलन मस्क के 'स्टारलिंक' जैसे नेटवर्क एक सीमित समाधान तो हो सकते हैं, लेकिन करोड़ों यूजर्स का ट्रैफिक संभालना इनके बस की बात नहीं है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद पश्चिम एशिया में भीषण जंग छिड़ गई थी। दोनों देशों के बीच 8 अप्रैल को सीजफायर जरूर हुआ लेकिन स्थिति अब भी नहीं संभली है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com